दैनिक बुद्ध का संदेश

हिन्दी समाचार पत्र

एक विश्वास...

लखनऊ, कानपुर, कन्नौज, बरेली, सीतापुर, सोनभद्र, गोण्डा, बाराबंकी, बलरामपुर, श्रावस्ती, बहराइच, अम्बेडकरनगर, फैजाबाद, बस्ती, संतकबीरनगर, गोरखपुर, कुशीनगर, देवरिया, महराजगंज, रामपुर, रायबरेली, में एक साथ प्रसारित।

बलरामपुर
शुक्रवार, 13 मार्च 2026
वर्ष: 05 अंक : 159 पृष्ठ: 8
आमंत्रण मूल्य 2/–रूपया

सम्पादक : राजेश शर्मा

9415163471, 9453824459 Dainik Budh ka sandesh @budhakasandesh budhakasandeshnews@gmail.com www.budhakasandesh.com

कमर दर्द से राहत और बेहतर पाचन ...8

ट्रंप को सबक सिखाने का प्लान, चीन ने उतार दिया जासूसी जहाज

ईरान के पास समंदर में चीन का एक जहाज आखिर क्या कर रहा है? युवांग वंग फाइव नाम के इस जहाज की मौजूदगी अमेरिका और इजराइल दोनों को बहुत ही खल रही है। अमेरिका की लाख आपत्ति और विरोध दर्ज कराने के बाद भी चीन ने इस जहाज की लोकेशन को बिल्कुल नहीं बदला। चीनी इस जहाज का नाम है युवान बैंग फाइव। चीन इसे एक साधारण रिसर्च वेसल बताता है। लेकिन कई देशों के लिए यह सिर्फ रिसर्च जहाज नहीं है बल्कि एक हाईटेक स्पाईशिप है। और सवाल सिर्फ इतना नहीं है कि यह जहाज श्रीलंका क्यों जा रहा है?

इराल में 9000 भारतीयों पर एमईए का बड़ा बयान, कहा– सुरक्षित निकालने के लिए सरकार पूरी तरह एक्शन में है

नई दिल्ली। विदेश मंत्रालय ने गुरुवार को कहा कि विदेश मंत्री एस जयशंकर और उनके ईरानी समकक्ष के बीच मध्य पूर्व में व्याप्त अशांति पर तीन दौर की वार्ता हुई और भारत आने वाले जहाजों की सुरक्षा से संबंधित मुद्दों पर चर्चा हुई। जब विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल से पूछा गया कि क्या ईरान ने भारतीय ध्वज वाले टैंकरों को होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजरने की अनुमति दी है, तो उन्होंने कहा कि इस मुद्दे पर आगे कुछ कहना उनके लिए जल्दबाजी होगी। उन्होंने कहा कि विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर और ईरान के विदेश मंत्री के बीच हाल के दिनों में तीन दौर की वार्ता हुई है। आखिरी वार्ता में जहाजों की सुरक्षा और भारत की ऊर्जा सुरक्षा से संबंधित मुद्दों पर चर्चा हुई। इससे आगे कुछ कहना मेरे लिए जल्दबाजी होगी। संघर्षग्रस्त क्षेत्र से भारतीय नागरिकों की निकासी के संबंध में जायसवाल ने कहा कि विदेश मंत्रालय घर लौटने के इच्छुक लोगों की सहायता कर रहा है। उन्होंने आगे जानकारी देते हुए बताया कि ईरान से कई लोगों को या तो निकाला

गया है या सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने कहा कि ईरान में लगभग 9,000 भारतीय नागरिक थे या अभी भी हैं। इन 9,000 भारतीय नागरिकों में छात्र, नाविक, व्यवसायी, पेशेवर और कुछ तीर्थयात्री शामिल हैं... कई भारतीय नागरिक, जिनमें अधिकतर छात्र हैं, देश छोड़कर घर पहुंच गए हैं। हमने तेहरान में मौजूद कई भारतीय नागरिकों, जिनमें छात्र और तीर्थयात्री शामिल हैं, को देश के अन्य सुरक्षित स्थानों और शहरों में स्थानांतरित कर दिया है। हम उन भारतीय नागरिकों की भी सहायता कर रहे हैं जो अजरबैजान और आर्मेनिया की यात्रा करना चाहते हैं और वहां से वाणिज्यिक उड़ानों से घर लौटना चाहते हैं। हम उन्हें वीजा दिलाने में सहायता कर रहे हैं। हम उन्हें जमीनी सीमा पार करने में भी सहायता कर रहे हैं। जयसवाल ने आगे कहा कि ईरान छोड़ने के इच्छुक लोगों को दूतावास द्वारा जारी सलाह का पालन करना चाहिए। उन्होंने कहा कि मैं इस अवसर पर ईरान से जमीनी सीमा मार्ग से निकलने के इच्छुक सभी भारतीय नागरिकों को सलाह देना चाहूंगा कि वे हमारे दूतावास द्वारा जारी सलाह का पालन करें। रणधीर जयसवाल ने भारत के खिलाफ पाकिस्तान की टिप्पणी की कड़ी आलोचना करते हुए इस्लामाबाद के कुकर्मों और विश्वसनीयता की कमी पर निंदा की। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जयसवाल ने पाकिस्तान के बारे में कहा कि हम ऐसे निराधार आरोपों को खारिज करते हैं। अपने कुकर्मों के लिए भारत को दोषी ठहराना पाकिस्तान की आदत बन गई है। दशकों से आतंकवाद को प्रायोजित करने वाले देश के रूप में, सीमा पार आतंकवाद के मामले में पाकिस्तान की विश्वसनीयता शून्य है।

कुछ लोग रसोई गैस पर पैदा कर रहे डर का माहौल

पीएम मोदी बोले: कालाबाजारी करने वालों पर होगी कार्रवाई

नई दिल्ली। पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव और देश के कुछ हिस्सों से रसोई गैस की किल्लत की खबरों के बीच प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गुरुवार को एलपीजी की स्थिति पर डर का माहौल पैदा करने की कोशिश करने वालों पर निशाना साधा और कहा कि ऐसे लोगों की न सिर्फ जनता सामने कलई खुल रही है, बल्कि वे देश को भी नुकसान पहुंचा रहे हैं। वहीं, पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने कहा कि देश में पेट्रोलियम उत्पादों की कोई कमी नहीं है और आपूर्ति व्यवस्था सामान्य रूप से काम कर रही है। उन्होंने कहा कि लोगों को अफवाहें नहीं फैलानी चाहिए और फेक नैरेटिव बनाने से बचना चाहिए। पीएम मोदी ने एनएक्सटी समिट को संबोधित करते हुए कहा कि पश्चिम एशिया में मौजूदा संकट से कोई भी देश अछूता नहीं है और सरकार देश की ऊर्जा सुरक्षा को सुरक्षित रखने के लिए हर मुमकिन कोशिश कर रही है। उन्होंने यह भी कहा कि कुछ लोग मौजूदा स्थिति का फायदा उठाकर कुछ उत्पादों की कालाबाजारी करने

की कोशिश कर रहे हैं।

प्रधानमंत्री ने चेतावनी दी कि ऐसे बेईमान लोगों के विरुद्ध कार्रवाई की जाएगी। पश्चिम एशिया में संघर्ष से पैदा हुए मौजूदा संकट से निपटने में हर किसी की अहम भूमिका है, चाहे वह राजनीतिक दल हों, मीडिया हो, युवा हों, शहर हों या गांव हों। पीएम मोदी ने कहा कि कई वैश्विक संकटों के बावजूद, दुनिया के नेता और विशेषज्ञ भारत की ओर बड़ी उम्मीद से देखते हैं, जिससे भारत की जिम्मेदारियां भी बढ़ जाती हैं। आज पूरी दुनिया जानती है कि अगर आप भविष्य का हिस्सा बनना चाहते हैं, तो आपको भारत से जुड़ना होगा और यहां रहना होगा।

उन्होंने आगे कहा, श्एक ही लक्ष्य है, एक ही मंजिल है, जो विकसित भारत है। भारत सिर्फ प्रगति ही नहीं कर रहा है, बल्कि अगले स्तर पर जा रहा है। दुनिया एक मुश्किल दौर से गुजर रही है, लेकिन भारत तेज और स्थिर गति से आगे बढ़ रहा है। कई वैश्विक नेता कह रहे हैं कि भारत पूरी दुनिया का केंद्र ेबदु बन रहा है।श्

इस बीच सरकार ने ऊर्जा आपूर्ति को लेकर कुछ एहतियाती कदम उठाए हैं। पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने राज्यों को अतिरिक्त 48 हजार किलोलीटर केरोसिन जारी करने का आदेश दिया है।

अमेरिका-ईरान युद्ध पर राहुल की बड़ी चेतावनी

बोले– ये तो सिर्फ शुरुआत है, असली दर्द बाकी है

नई दिल्ली। लोकसभा में बोलते हुए राहुल गांधी ने चेतावनी दी कि होर्मुज जलडमरूमध्य में किसी भी प्रकार की रुकावट या बंद होने से भारत की अर्थव्यवस्था और ऊर्जा आपूर्ति सीधे तौर पर प्रभावित होगी। उन्होंने कहा कि एलपीजी की उपलब्धता को लेकर चिंता पहले से ही फैल रही है और संघर्ष बढ़ने पर यह और भी गंभीर हो सकती है। ऊर्जा सुरक्षा को किसी भी देश के लिए मूलभूत बताते हुए गांधी ने यह भी सवाल उठाया कि भारत को अमेरिका को इस बात पर प्रभाव डालने की अनुमति क्यों देनी चाहिए कि वह गैस कहां से खरीदे। राहुल गांधी ने कहा कि मध्य पूर्व में युद्ध छिड़ गया है। अमेरिका, इजराइल और ईरान आपस में लड़ रहे हैं। इस युद्ध के दूरगामी परिणाम होंगे। होर्मुज जलडमरूमध्य, जिससे वैश्विक तेल का 20: प्रवाह होता है, बंद कर दिया गया है। इसके बहुत गंभीर परिणाम होंगे, खासकर हमारे लिए, क्योंकि हमारे तेल और प्राकृतिक गैस का एक बड़ा हिस्सा होर्मुज जलडमरूमध्य से होकर गुजरता है। अभी तो बस शुरुआत हुई है। रेस्तरां बंद हो रहे हैं। एलपीजी को लेकर व्यापक दहशत फैली हुई है... यह तो बस शुरुआत है। गांधी ने आगे कहा कि हर राष्ट्र की नींव उसकी ऊर्जा सुरक्षा है। अमेरिका को यह तय करने देना कि हम किससे तेल खरीदें, किससे गैस खरीदें और क्या हम रूस से तेल खरीद सकते हैं या नहीं...विभिन्न तेल आपूर्तिकर्ताओं के साथ हमारे संबंध हम खुद तय कर सकते हैं।

संसद में लौटे स्पीकर ओम बिरला का विपक्ष को कड़ा संदेश

किसी को विशेषाधिकार नहीं, नियमों से चलेगा सदन

नई दिल्ली। विपक्ष द्वारा उनके खिलाफ लाए गए अविश्वास प्रस्ताव को खारिज किए जाने के एक दिन बाद, ओम बिरला आज लोकसभा में अध्यक्ष की कुर्सी पर वापस लौटे। विपक्ष द्वारा उन पर लगाए गए पक्षपात के आरोपों को खारिज करते हुए बिरला ने कहा कि कुछ लोगों ने मुझ पर कुछ सांसदों को संसद में बोलने से रोकने का आरोप लगाया है। लेकिन मैं यह स्पष्ट करना चाहता हूं कि मैं हमेशा सभी सांसदों को बोलने की अनुमति देता हूं, लेकिन नियमों और विनियमों के तहत। अध्यक्ष ओम बिरला ने सदन में कहा कि मैंने हमेशा यह प्रयास किया है कि लोकसभा में प्रत्येक सदस्य नियमों के अनुसार अपने विचार रखें, इसके लिए सभी को समय देने का प्रयास किया

है। मैंने हमेशा यह प्रयास किया कि सदन की कार्यवाही निष्पक्षता, अनुशासन, संतुलन और नियमों के साथ संचालित हो। उन्होंने कहा कि मैंने अपने नैतिक कर्तव्य का पालन करते हुए अपने खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव का नोटिस दिए जाने के साथ ही लोकसभा की कार्यवाही के संचालन से खुद को अलग कर लिया। इसके साथ ही बिरला ने कहा कि सदन द्वारा मुझ पर व्यक्त किए गए विश्वास के लिए सभी का आभार व्यक्त करता हूं, इस विश्वास को अपनी जिम्मेदारी मानते हुए पूरी निष्ठा, निष्पक्षता और संवैधानिक मर्यादा के साथ निभाऊंगा। उन्होंने कहा कि कुछ सदस्यों का मानना था कि नेता प्रतिपक्ष सदन से ऊपर हैं और किसी भी विषय पर बोल सकते हैं, लेकिन ऐसा विशेषाधिकार किसी को नहीं है और चाहे प्रधानमंत्री हों, मंत्री हों, विपक्ष के नेता हों या अन्य सदस्य, सभी को नियम के अनुसार ही बोलने का अधिकार है। ये नियम सदन ने ही बनाए हैं और मुझे विरासत में मिले हैं। ओम बिरला ने कहा कि स्वतंत्र भारत के संसदीय इतिहास में तीसरी बार लोकसभा में अविश्वास प्रस्ताव पर चर्चा हुई है।

चुनाव आयोग पर अब तक का सबसे बड़ा हमला!

200 सांसदों ने सीईसी को हटाने वाले Notice पर किए दस्तखत

नई दिल्ली। सूत्रों के मुताबिक, लोकसभा के कुल 130 सांसदों और राज्यसभा के 63 सांसदों ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को हटाने की मांग वाले नोटिस पर हस्ताक्षर किए हैं। सूत्रों के अनुसार, नोटिस शुक्रवार को कम से कम एक सदन में पेश किए जाने की संभावना है, हालांकि यह स्पष्ट नहीं है कि किस सदन में। इस बीच, विपक्ष के एक नेता ने कहा कि सांसदों ने नोटिस पर हस्ताक्षर करने में काफी उत्साह दिखाया है और गुरुवार को भी कई सांसदों ने नोटिस पर हस्ताक्षर करने के लिए आगे आए, जबकि आवश्यक संख्या पहले ही पूरी हो चुकी थी। नियमों के अनुसार, लोकसभा में मुख्य आयुक्त को हटाने की मांग वाले नोटिस पर

कम से कम 100 सांसदों के हस्ताक्षर आवश्यक हैं, जबकि राज्यसभा में आवश्यक संख्या 50 है। सूत्रों के अनुसार, अखिल इंडिया गठबंधन (ऑल इंडिया ब्लॉक) के दलों के सदस्यों ने नोटिस पर हस्ताक्षर किए हैं। एक अन्य सूत्र ने बताया कि आम आदमी पार्टी (आप), जो अब आधिकारिक तौर पर गठबंधन का हिस्सा नहीं है, के सांसदों ने भी नोटिस पर हस्ताक्षर किए हैं। मुख्य चुनाव आयुक्त को हटाने के लिए पहली बार नोटिस जारी किया गया है। उच्च पदस्थ सूत्रों के अनुसार, नोटिस में मुख्य चुनाव आयुक्त के खिलाफ सात आरोप लगाए गए हैं, जिनमें ष्पद पर रहते हुए पक्षपातपूर्ण और भेदभावपूर्ण आचरणष से लेकर चुनावी धोखाधड़ी की जांच में जानबूझकर बाधा डालना और बड़े पैमाने पर मताधिकार से वंचित करना शामिल हैं। विपक्षी दलों ने मुख्य चुनाव आयुक्त पर कई मौकों पर सत्तारूढ़ भाजपा की मदद करने का आरोप लगाया है, खासकर चल रहे विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के संबंध में, जिसका उद्देश्य केंद्र में पार्टी को लाभ पहुंचाना है।

एलपीजी सिलेंडर पर विपक्ष का हंगामा, कंगना बोलीं– ये जनता को गुमराह करने की साजिश है

भाजपा सांसद कंगना रनौत ने गुरुवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कथित एलपीजी संकट से देश को उसी तरह निकालेंगे जैसे उन्होंने कोविड महामारी के दौरान निकाला था। रनौत ने एलपीजी सिलेंडर संकट पर विपक्ष के विरोध प्रदर्शन की आलोचना करते हुए प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व की प्रशंसा की और वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच भारत की प्रगति पर प्रकाश डाला। कंगना रनौत ने कहा कि पूरी दुनिया प्रधानमंत्री मोदी का नेतृत्व देख रही है। दुनिया भर में महंगाई बढ़ रही है, लेकिन हमारे देश में हर दिन नई परियोजनाएं शुरू हो रही हैं। एलपीजी की स्थिति को लेकर पूर्ण आश्वासन दिया गया है, लेकिन वे (विपक्ष) दहशत फैलाने और जनता को गुमराह करने के लिए यह (विरोध प्रदर्शन) कर रहे हैं। जनता को प्रधानमंत्री मोदी पर भरोसा रखना चाहिए, जो कोविड महामारी के दौरान की तरह ही नेतृत्व करेंगे।

राष्ट्रपति के अयोध्यां दौरे से पहले एक्शन में सीएम योगी, अधिकारियों को दिए कड़े निर्देश

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार को अयोध्या के सीएफसी सभागार में राष्ट्रपति की प्रस्तावित अयोध्या यात्रा के संबंध में समीक्षा बैठक की। अयोध्या के जिला मजिस्ट्रेट निखिल टिकाराम फुंडे ने बताया कि राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू 19 मार्च को अयोध्या के राम जन्मभूमि मंदिर में दर्शन करेंगी। बुधवार को पत्रकारों से बात करते हुए जिला मजिस्ट्रेट फुंडे ने कहा कि राष्ट्रपति की यात्रा की तैयारियां जोर–शोर से चल रही हैं। योगी ने कहा कि राष्ट्रपति 19 मार्च को जिले में आ रही हैं। श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट इस कार्यक्रम का आयोजन कर रहा है। आयुक्त, एडीजी और डीआईजी ने सभी विभागों के अधिकारियों के साथ बैठक की। सभी को निर्देश मिल चुके हैं।

असम चुनाव से पहले जुबानी जंग तेज

मुख्यमंत्री हिमंतां बोले– पवन खेड़ा का अंतिम संबोधन जेल में होगा

गुवाहाटी। अमस में कांग्रेस द्वारा लगाए गए आरोपो पर मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा ने पलटवार किया है। उन्होंने कहा कि चुनाव परिणामों को प्रभावित करने के लिए असम में किसी उग्रवादी संगठन से संपर्क करने की कोशिश करने के आरोप में पवन खेड़ा के नाम पर तीन–चार मामले दर्ज किए जा चुके हैं। तो जेल कौन जाएगा? यह तो चुनाव के बाद ही पता चलेगा। मुझे लगता है कि पवन खेड़ा का अंतिम संबोधन असम की जेल में ही होगा भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पवन खेड़ा ने कहा कि हिमंता बिस्वा सरमा की सरकार द्वारा महिलाओं को वित्तीय सहायता वितरण सहित अंतिम समय में उठाए गए

कदम आगामी विधानसभा चुनावों में असम में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को सत्ता में वापस लाने में मदद नहीं करेंगे। गुवाहाटी में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए, अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के मीडिया और संचार अध्यक्ष ने आरोप लगाया कि राज्य में भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार मुख्य रूप से मुख्यमंत्री सहित अपने मंत्रियों के हितों के लिए काम करती है। गौरव गोगोई के कथित पाकिस्तानी संबंधों को लेकर भाजपा द्वारा लगाए गए आरोपों का जवाब देते हुए, खेरा ने दावा किया कि सरमा ने 2015 में भाजपा में शामिल होने से पहले ढाका में एक मौलवी से मुलाकात की थी। खेड़ा ने कहा कि मैं उन्हें चुनौती देता हूं कि वे इसका खंडन करें। उन्होंने उस मौलवी की सलाह पर भाजपा में शामिल हुए।" इस आरोप पर मुख्यमंत्री या भाजपा की ओर से तत्काल कोई प्रतिक्रिया नहीं आई।

Global Crisis के बीच मंत्री हरदीप सिंह पुरी का आश्वासन, भारम में तेल की कोई कमी नहीं, अफवाहों पर ध्यान न दें

नई दिल्ली। पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने गुरुवार को कहा कि देश में ईंधन की कोई कमी नहीं है और भारत के पास पर्याप्त कच्चा तेल है। भारत की कच्चे तेल की आपूर्ति की स्थिति को सुरक्षित बताते हुए, केंद्रीय मंत्री ने लोगों से अफवाहें न फैलाने और झूठी बातें गढ़ने से बचने का आग्रह किया। लोकसभा में बोलते हुए उन्होंने कहा कि आधुनिक ऊर्जा इतिहास में दुनिया ने कभी ऐसा संकट नहीं देखा है। भारत की कच्चे तेल की आपूर्ति की स्थिति सुरक्षित है,

और सुरक्षित मात्रा होर्मुज जलडमरूमध्य से मिलने वाली मात्रा से कहीं अधिक है।

पुरी ने कहा कि संकट से पहले, भारत के कच्चे तेल के आयात का लगभग 45 प्रतिशत होर्मुज जलडमरूमध्य मार्ग से होकर गुजरता था। प्रधानमंत्री के उत्कृष्ट राजनयिक प्रयासों और सद्भावना के कारण, भारत ने उतनी मात्रा में कच्चा तेल सुरक्षित कर लिया है जितनी कि बाधित होर्मुज जलडमरूमध्य से उसी अवधि में मिल सकती थी। उन्होंने आगे कहा कि रिफाइनरियां अपनी पूरी क्षमता से काम कर रही हैं। कई मामलों में, वे 100: से भी अधिक क्षमता पर चल रही हैं। पेट्रोल, डीजल, केरोसिन, एटीएफ या ईंधन तेल की कोई कमी नहीं है। पेट्रोल, डीजल, विमानन ईंधन, टर्बाइन ईंधन, केरोसिन और ईंधन तेल की उपलब्धता पूरी तरह सुनिश्चित है।

पेट्रोलियम मंत्री ने कहा कि संघर्ष शुरू होने से पहले कच्चे तेल के आयात में गैर–होर्मुज स्रोतों का हिस्सा 55: था, जो अब बढ़कर लगभग 70: हो गया है। भारत के स्रोत 2006 और 2007 में 27 देशों से बढ़कर 40 हो गए हैं। लगातार कई वर्षों तक अपनाई गई नीति के माध्यम से हासिल किए गए इस संरचनात्मक विविधीकरण ने हमें ऐसे विकल्प दिए हैं जो अन्य देशों के पास नहीं हैं।

श्रीमद्भागवत कथा में श्रीकृष्ण–रुक्मिणी विवाह प्रसंग सुन श्रद्धालु हुए भावविभोर

दैनिक बुद्ध का संदेश

बांसी। खेसरहा विकास खंड क्षेत्र के कोटिया पांडेय गांव में ब्रह्मदेव यादव के आवास पर आयोजित नौ दिवसीय श्रीमद्भागवत कथा के सातवें दिन बुधवार की रात श्रद्धालु भक्ति रस में सराबोर नजर आए। कथा व्यास पंडित इन्द्रेव मिश्र ने भगवान श्रीकृष्ण और माता रुक्मिणी के दिव्य विवाह की भावपूर्ण कथा सुनाकर श्रद्धालुओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। कथा के दौरान पूरा पंडाल "राधे–कृष्ण" और "जय श्रीकृष्ण" के जयघोष से गूंज उठा। कथा के दौरान पंडित इन्द्रेव मिश्र ने बताया कि रुक्मिणी विदर्भ के राजा भीष्मक की पुत्री थीं और वे भगवान श्रीकृष्ण को ही अपना आराध्य एवं पति मानती थीं। उनका मन श्रीकृष्ण के प्रति

अटूट श्रद्धा और प्रेम से भरा हुआ था। लेकिन रुक्मिणी के भाई रुक्मी ने उनका विवाह चेदि नरेश शिशुपाल से तय कर दिया। यह सुनकर रुक्मिणी अत्यंत व्यथित हो उठीं और उन्होंने एक ब्राह्मण के माध्यम से भगवान श्रीकृष्ण को संदेश भेजकर उनसे विनती की कि वे आकर उनका हरण कर लें। कथा व्यास ने बताया कि भक्त की पुकार भगवान अवश्य सुनते हैं। रुक्मिणी का संदेश पाकर श्रीकृष्ण तत्काल विदर्भ पहुंचे और विवाह स्थल से रुक्मिणी का हरण कर लिया। इसके बाद द्वारका ले जाकर विधि–विधान से दोनों का दिव्य विवाह संपन्न हुआ। उन्होंने कहा कि यह प्रसंग सच्चे प्रेम, अटूट आस्था और भगवान के प्रति पूर्ण समर्पण की प्रेरणा देता है। कथा के बीच–बीच में भजन–कीर्तन से वातावरण पूरी तरह भक्तिमय बना रहा। श्रद्धालु भक्ति में लीन होकर झूमते रहे। इसी दौरान भगवान श्रीकृष्ण की बारात की भव्य झांकी भी निकाली गई। झांकी यज्ञ पंडाल से प्रारंभ होकर गांव के शिव मंदिर तक बैंड–बाजों और जयघोष के साथ निकाली गई, जिसमें सैकड़ों महिला–पुरुष और बच्चे शामिल हुए। श्रद्धालु नाचते–गाते हुए भगवान की बारात में शामिल होकर भक्ति का आनंद लेते दिखाई दिए। इस अवसर पर नंगा यादव, ऋषमदेव यादव, पन्ने लाल यादव, रामलाल चौधरी, विन्दास यादव, सुरेश व पूर्णवासी यादव सहित क्षेत्र के बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

पर्यावरण को बचाने के लिए वृक्षा रोपड़ अनिवार्य -माता प्रसाद पाण्डेय

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। पर्यावरण को सुरक्षित रखने के लिए सभी लोगों को अनिवार्य रूप से अपने खेतों तथा घर के आस पास बृक्षा रोपड़ अनिवार्य रूप से

करना चाहिए।प्राकृतिक संसाधनों का अंधाधुंध दोहन करने के कारण हमारा पर्यावरण असंतुलित होता जा रहा है।जिसका परिणाम आने वाले समय मे भयावह हो सकता है। उक्त जानकारी नेता प्रतिपक्ष माता प्रसाद पांडेय ने डॉ राम मनोहर लोहिया पीजी कॉलेज इटवा पर चल रहे राष्ट्रीय सेवा योजना के सात दिवसीय विशेष शिविर के चौथे दिन बृक्षा रोपड़ के अवसर पर दिया है। बतौर मुख्य अतिथि उन्होंने कहा कि तेजी से बढ़ रहे प्रदूषण के कारण तमाम तरह की समस्याएं उत्पन्न हो गई हैं।जिसके कारण कहीं पर सूखा तो कहीं भीषण बाढ़ आ रही है।वायु प्रदूषण बढ़ने से तमाम तरह की बीमारी फैलने लगी है।पुराने पेड़ को लोग तेजी से काटते हैं।लेकिन उसके स्थान पर दूसरा पेड़ नहीं लगाते हैं।यदि प्रदूषण को लेकर लोग जागरूक नहीं होंगे तो आने वाला समय बहुत कष्टकारी होगा। युवा वर्ग ही देश के भविष्य हैं।देश को आगे बढ़ाने की जिम्मेदारी इन्हीं के कंधों पर है।उन्होंने स्वयंसेवकों से आह्वान किया कि जीवन में सफलता पाने के लिए लक्ष्य बनाकर नियमित तैयारी करें।पढ़ाई के साथ साथ आप सब समाज का अध्ययन करें।दहेज प्रथा,भेदभाव आदि के प्रति समाज के लोगों को जागरूक करें। प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए अपने को तैयार करें।कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे कालेज के परिचय डॉ अष्टभुजा पांडेय ने स्वयं सेवकों को अनुशासन में रहकर पढ़ाई के दौरान समय प्रवंधन सहित कई अन्य विषयों पर बिस्तार से जानकारी दिया। इस बार एन एस एस के तहत महाविद्यालय में दो इकाइयां डॉ रम मनोहर लोहिया तथा स्वामी विवेकानंद के संयुक्त तत्वाधान में यह विशेष शिविर संचालित किया जा रहा है।डॉ राम मनोहर लोहिया इकाई के कार्यक्रम अधिकारी डॉ0 पवन कुमार पाण्डेय ने कार्यक्रम का संचालन करते हुए कहा कि इस शिविर का उद्देश्य विद्यार्थियों में सेवा, सहयोग, नेतृत्व और सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना को विकसित करना है।जिससे वे समाज के जागरूक एवं जिम्मेदार नागरिक बन सकें।स्वामी विवेकानंद इकाई के कार्यक्रम अधिकारी डॉ संतोष कुमार पांडेय ने बताया कि सात दिनों तक चलने वाले इस विशेष शिविर में स्वच्छता अभियान, वृक्षारोपण, ग्राम भ्रमण, जागरूकता रैली, स्वास्थ्य एवं शिक्षा संबंधी कार्यक्रम, सांस्कृतिक गतिविधियां तथा विचार गोष्ठियां आयोजित की जाएंगी। इन गतिविधियों के माध्यम से स्वयंसेवकों को समाज के प्रति अपने दायित्वों को समझने और व्यवहारिक रूप से सेवा कार्य करने का अवसर मिलेगा। इसका संचालन डॉ पवन पांडेय ने किया। इसमें छात्र/छात्राओं ने सरस्वती वंदना,राष्ट्रीय गीत,महिला सशक्तिकरण, लोकगीत बड़े ही सुंदर ढंग से प्रस्तुत किया गया। कार्यक्रम अधिकारी डॉ पवन कुमार पांडेय ने आये हुए सभी अतिथियों का स्वागत करते हुए आभार जताया।इस अवसर पर स्वयं सेवकों में प्रिया, खुशी, परवेज, राजेश, शालिनी, आदि ने कार्यक्रम में अपना सहयोग दिया। इस शिविर में महाविद्यालय के प्रवक्ता डॉ0 प्रमोद द्विवेदी,डॉ नुरुल हसन,डॉ आज़म खान, अम्बिकेश्वर त्रिपाठी, एस पी मणि, राकेश दूबे, रंजना दूबे, विजेंद्र, राम कुमार, आदित्य ,राकेश दुबे ,आदित्य कसेरा सहित तमाम स्टाफ के लोग उपस्थित रहे।

बस्ती राजकीय इंटर कॉलेज मैदान में 141 जोड़ों का सामूहिक विवाह

दैनिक बुद्ध का संदेश

बस्ती। प्रदेश सरकार की कन्या विवाह सहायता योजना के तहत गुरुवार को राजकीय इंटर कॉलेज ग्राउंड, बस्ती में भव्य सामूहिक विवाह समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बस्ती, संतकबीरनगर और सिद्धार्थनगर जनपदों के श्रमिक परिवारों की बेटियों का विवाह सम्पन्न कराया गया। योजना के अंतर्गत सामूहिक विवाह में प्रत्येक जोड़े को 85 हजार रुपये की आर्थिक सहायता दी जाती है। इस समारोह में अधिकतम 200 जोड़ों का लक्ष्य निर्धारित था, जिसके सापेक्ष 141 जोड़ों का विवाह वैदिक रीति–रिवाजों के साथ सम्पन्न कराया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि गौ सेवा उपाध्यक्ष महेश शुक्ला तथा विशिष्ट अतिथि जिला पंचायत अध्यक्ष संजय चौधरी और जगदीश शुक्ला मौजूद रहे। अतिथियों ने नवदंपतियों को आशीर्वाद देते

हुए उनके सुखद दांपत्य जीवन की कामना की और कहा कि सरकार श्रमिकों के कल्याण के लिए लगातार योजनाएं चला रही है। इस अवसर पर हरैया विधायक प्रतिनिधि पं. सरोज मिश्रा, एमएलसी प्रतिनिधि हरीश सिंह, कप्तानगंज विधायक प्रतिनिधि गुलाब सोनकर, सदर विधायक प्रतिनिधि मोहम्मद सलीम, महादेवा विधायक प्रतिनिधि फूलचंद श्रीवास्तव तथा वरिष्ठ भाजपा नेता शिवपूजन राजभर सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे। समारोह के आयोजन में नोडल अधिकारी के रूप में जिला उपायुक्त उद्योग हरेन्द्र यादव, जिला सेवायोजन अधिकारी अवधेन्द्र वर्मा, उप श्रम आयुक्त रचना केसरवानी और सहायक श्रम आयुक्त सचिन कुमार सिंह सहित श्रम विभाग के अधिकारी मौजूद रहे। अधिकारियों ने बताया कि सभी लाभार्थियों के बैंक खातों में 85 हजार रुपये की सहायता राशि भेजने की प्रक्रिया पूरी कर ली गई है, जो जल्द ही स्थानांतरित कर दी जाएगी।

लगातार आ रही है एजेंसी पर गैस सिलेंडर, बावजूद लग जाती है लम्बी कतारें

दैनिक बुद्ध का संदेश

शोहरतगढ़/सिद्धार्थनगर। शोहरतगढ़ में इन दिनों घरेलू गैस सिलेंडर को लेकर गैस एजेंसियों पर लोगों की लंबी–लंबी कतारें देखने को मिल रही हैं। स्थिति यह है कि बंदी के बावजूद भी कई लोग एजेंसियों के बाहर गैस मिलने की उम्मीद में इंतजार करते नजर आ रहे हैं। पिछले कुछ दिनों से कस्बे में यही हाल बना हुआ है। हालांकि कुछ दिन पहले जिलाधिकारी ने सोशल मीडिया के माध्यम से लोगों से अपील करते हुए कहा था कि गैस को लेकर पैनिक न करें और आवश्यकता होने पर ही सिलेंडर लें, लेकिन इस अपील का असर धरातल पर खास दिखाई नहीं दे रहा है। इस संबंध में उत्तमा सोनी एचपी गैस ग्रामीण वितरक केंद्र के प्रबंधक राजेश आर्या ने बताया कि जिले में फिलहाल गैस की कोई किल्लत नहीं है। एजेंसी पर प्रतिदिन एक गाड़ी गैस की आपूर्ति हो रही है, जिसे जिलाधिकारी के निर्देश पर संबंधित अधिकारियों की निगरानी में उपभोक्ताओं को वितरित किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि लंबी कतारों की मुख्य वजह यह है कि कई उपभोक्ता जरूरत से ज्यादा सिलेंडर भरवाकर घर में स्टोर करना चाह रहे हैं। ऐसे में जिन उपभोक्ताओं को तत्काल जरूरत नहीं है, वे भी सिलेंडर लेने के लिए लाइन में लग रहे हैं। इसी कारण एजेंसियों पर भीड़ बढ़ रही है। एजेंसी प्रबंधन का कहना है कि जो भी उपभोक्ता नियमित प्रक्रिया के तहत गैस बुकिंग कराकर आ रहे हैं, उन्हें आसानी से सिलेंडर मिल रहा है। चाहे कतार कितनी भी लंबी क्यों न हो, किसी भी उपभोक्ता को खाली नहीं लौटाया जा रहा है। उधर, गैस को लेकर बन रही स्थिति को देखते हुए जिलाधिकारी ने जनपदवासियों से संयम बरतने और जरूरत पड़ने पर ही गैस लेने की अपील की है। साथ ही संबंधित विभागों को निर्देश दिए हैं कि गैस वितरण की व्यवस्था पर निगरानी रखें और किसी भी तरह की कालाबाजारी न होने दें। उन्होंने चेतावनी दी कि गैस का अवैध भंडारण करने या ऊंचे दामों पर बेचते पाए जाने वालों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाएगी।

बोलेरो व बाइक की आमने–सामने टक्कर, बाइक सवार गंभीर रूप से घायल

दैनिक बुद्ध का संदेश

जोगिया/सिद्धार्थनगर। सिद्धार्थनगर जिले के जोगिया थाना

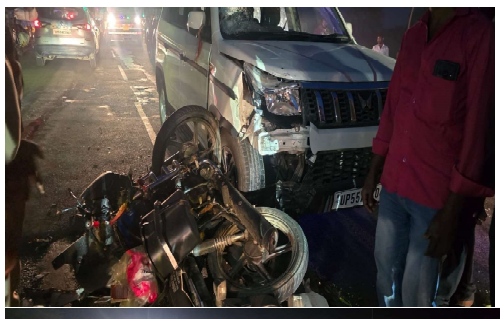

क्षेत्र में नेशनल हाईवे स्थित ककरही पुल के पास बोलेरो और बाइक की आमने–सामने टक्कर में एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया।जानकारी के अनुसार जोगिया कोतवाली क्षेत्र के मुडिला निवासी रामचंद्र (35) पुत्र बेचू अपनी पत्नी के साथ दोपहर बाद बांसी की ओर से अपने घर लौट रहे थे। जैसे ही वह नेशनल हाईवे पर ककरही पुल के पास पहुंचे, सामने से आ रही तेज रतार बोलेरो ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी तेज थी कि बाइक सवार गंभीर रूप से घायल हो गया।दुर्घटना के बाद बोलेरो चालक वाहन छोड़कर मौके से फरार हो गया। घटना की जानकारी मिलते ही स्थानीय लोगों ने पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस और स्थानीय लोगों की मदद से घायल को एंबुलेंस के जरिए इलाज के लिए माधव प्रसाद मेडिकल कॉलेज भेजा गया, जहां उसका इलाज चल रहा है।थानाध्यक्ष अभय सिंह ने बताया कि घटना की सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंच गई और घायल को तत्काल अस्पताल में भर्ती कराया गया। मामले की जांच की जा रही है।

नवज्योति मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल में मिल रही आधुनिक स्वास्थ्य सुविधाएं : डॉ. प्रेम प्रकाश दूबे

दैनिक बुद्ध का संदेश

बस्ती। नवज्योति मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल के संस्थापक एवं नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ. प्रेम प्रकाश दूबे ने कहा कि एक छत के नीचे बेहतर और आधुनिक चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराना हमारी प्राथमिकता है। अस्पताल में मरीजों को अनुभवी चिकित्सकों की देखरेख में उच्चस्तरीय उपचार उपलब्ध कराया जा रहा है, जिससे जनपद और आसपास के क्षेत्रों के लोगों को बड़े शहरों की तरह गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा सेवाएं स्थानीय स्तर पर ही मिल सकें। डॉ. दूबे ने बताया कि नवज्योति मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल में ऑर्थो, यूरो, जनरल सर्जरी, मेडिसिन, स्त्री एवं प्रसूति रोग, बाल रोग सहित कई महत्वपूर्ण विभागों की सेवाएं उपलब्ध हैं। यहां अत्याधुनिक मशीनों और आधुनिक तकनीक के माध्यम से मरीजों की जांच और उपचार किया जाता है। अस्पताल में स्वच्छता, अनुशासन और मरीजों की सुविधा का विशेष ध्यान रखा जाता है। साथ ही इमरजेंसी सेवाएं भी चौबीसों घंटे उपलब्ध हैं ताकि किसी भी आपात स्थिति में मरीजों को तुरंत उपचार मिल सके। अस्पताल

की सर्जन डॉ. विदुषी दूबे ने महिलाओं के स्वास्थ्य से जुड़ी समस्याओं पर विशेष रूप से जागरूकता की जरूरत बताई। उन्होंने कहा कि आज भी कई महिलाएं और किशोरियां संकोच के कारण अपनी स्वास्थ्य समस्याओं को छिपा लेती हैं। इसके कारण कई सामान्य बीमारियां समय के साथ गंभीर रूप ले लेती हैं। उन्होंने बताया कि स्तन में गांठ, पाइल्स और अन्य स्त्री रोग संबंधी समस्याएं प्रारंभिक अवस्था में आसानी से ठीक हो सकती हैं, लेकिन संकोच और लापरवाही के कारण कई बार स्थिति जटिल हो जाती है। डॉ. विदुषी दूबे ने कहा कि विशेष रूप से नवविवाहित महिलाएं कई बार अपनी समस्याओं को खुलकर नहीं बता पातीं। ऐसे में परिवार और समाज को भी इस विषय में जागरूक होने की जरूरत है ताकि महिलाएं बिना किसी झिझक के डॉक्टर से परामर्श ले सकें। उन्होंने कहा कि महिलाओं को अपने स्वास्थ्य को लेकर सतर्क रहना चाहिए और किसी भी प्रकार की समस्या होने पर समय पर जांच करानी चाहिए। उन्होंने नवविवाहित जोड़ों को सलाह देते हुए कहा कि यदि शादी के तुरंत बाद बच्चा नहीं चाहते हैं तो डॉक्टर की सलाह लेकर सुरक्षित गर्भनिरोधक उपाय अपनाने चाहिए। बिना चिकित्सकीय सलाह के कोई भी दवा या उपाय अपनाना स्वास्थ्य के लिए नुकसानदेह हो सकता है। सही जानकारी और उचित परामर्श से परिवार नियोजन को सुरक्षित और स्वस्थ तरीके से अपनाया जा सकता है।

डॉ. विदुषी दूबे ने यह भी कहा कि वर्तमान समय में एक और प्रवृत्ति देखने को मिल रही है कि कई महिलाएं छोटी–छोटी समस्याओं के कारण जल्दबाजी में अपनी बच्चेदानी निकलवा देती हैं। उन्होंने कहा कि ऐसा निर्णय लेने से पहले महिलाओं को धैर्य का परिचय देना चाहिए और विशेषज्ञ डॉक्टर से पूरी जांच व सलाह लेनी चाहिए। कई मामलों में दवा या अन्य उपचार से समस्या का समाधान संभव होता है और सर्जरी की आवश्यकता नहीं पड़ती। डॉ. प्रेम प्रकाश दूबे ने कहा कि नवज्योति मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल का उद्देश्य केवल इलाज करना ही नहीं बल्कि लोगों को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करना भी है। अस्पताल प्रबंधन का प्रयास है कि मरीजों को सस्ती, सुलभ और विश्वसनीय चिकित्सा सेवाएं उपलब्ध हों। भविष्य में अस्पताल में और भी नई सुविधाएं जोड़ने की योजना है, जिससे जनपद बस्ती और आसपास के क्षेत्रों के लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ मिल सके।

सड़क दुर्घटना में बाल–बाल बचे मशहूर चिकित्सक डॉ. सरफराज अंसारी

दैनिक बुद्ध का संदेश

शोहरतगढ़/सिद्धार्थनगर। शोहरतगढ़ के मशहूर चिकित्सक डॉ. सरफराज अंसारी सड़क दुर्घटना में बाल–बाल बच गए। जानकारी के अनुसार डॉ. अंसारी अपने परिवार के साथ गोरखपुर से शोहरतगढ़ लौट रहे थे। इसी दौरान धानी बाजार के पास उनकी कार दुर्घटनाग्रस्त हो गई। हालांकि राहत की बात यह है कि कार में सवार सभी लोग पूरी तरह सुरक्षित बताए जा रहे हैं। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय लोगों ने मौके पर पहुंचकर मदद की है।

जिलाधिकारी ने लिया जिला पोषण समिति की बैठक, बीएमएम शोहरतगढ़ और बर्डपुर का वेतन रोकने के निर्देश

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। जनपद को कुपोषण मुक्त बनाने और स्वास्थ्य योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन को लेकर आज जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन की अध्यक्षता में कैंप कार्यालय में जिला पोषण समिति की महत्वपूर्ण बैठक संपन्न हुई। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी श्री बलराम सिंह सहित विभिन्न विभागों के जनपद स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे। लापरवाही पर सख्त रुखरू रुकेगा वेतन समीक्षा के दौरान जिलाधिकारी ने कार्यों में शिथिलता बरतने वालों के खिलाफ कड़ा रुख अपनाया। बीएमएम शोहरतगढ़ और बर्डपुर द्वारा टीएचआर प्लांट का बिल समय से उपलब्ध न कराने पर जिलाधिकारी ने गहरी नाराजगी व्यक्त की। उन्होंने तत्काल प्रभाव से संबंधित बीएमएम का वेतन रोकने के निर्देश जारी किए और चेतावनी दी कि सरकारी कार्यों में किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। कुपोषण के खिलाफ श्जीरो टॉलरेंसश बैठक में गर्भवती महिलाओं, धात्री माताओं और बच्चों के पोषण स्तर की समीक्षा करते हुए जिलाधिकारी ने निम्नलिखित निर्देश किया की चिन्हीकरण और उपचार अति कुपोषित और कुपोषित बच्चों की पहचान कर उन्हें तत्काल शासन की योजनाओं से लाभान्वित किया जाए। केंद्रों के नियमित संचालन और पूरक पोषाहार वितरण की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए अधिकारियों को फील्ड विजिट के निर्देश दिए गए। दवाइयों का वितरण गर्भवती महिलाओं को आयरन, कैल्शियम की गोलियां और उचित टीकाकरण समय पर उपलब्ध कराने पर जोर दिया गया। विभागीय समन्वय की आवश्यकता जिलाधिकारी ने कहा कि कुपोषण के खिलाफ जंग अकेले एक विभाग की नहीं है। उन्होंने आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों, आशा बहुओं और स्वास्थ्य विभाग के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने की बात कही। उन्होंने निर्देशित किया कि ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में संतुलित आहार और स्वच्छता के प्रति जागरूकता अभियान चलाए जाएं। इनकी रही उपस्थिति बैठक में मुख्य चिकित्सा अधिकारी जिला कार्यक्रम अधिकारी बाल विकास परियोजना अधिकारी के साथ–साथ शिक्षा, पंचायती राज और अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी मौजूद रहे। जिलाधिकारी ने अंत में सभी को पूरी जिम्मेदारी और गंभीरता के साथ कार्य करने का आह्वान किया ताकि जनपद के स्वास्थ्य सूचकांक में सुधार लाया जा सके।

दीवानी न्यायालय परिसर की दुकानों और वाहन स्टैंड की नीलामी 25 मार्च को

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। जनपद न्यायाधीश के आदेशानुसार, दीवानी न्यायालय सिद्धार्थनगर के मुख्यालय परिसर में स्थित विभिन्न दुकानों और वाहन स्टैंड के संचालन के लिए नीलामी की प्रक्रिया आगामी 25 मार्च 2026 को संपन्न की जाएगी। नीलामी समिति के अध्यक्ष एवं विशेष न्यायाधीश, मनोज कुमार तिवारी ने जानकारी देते हुए बताया कि न्यायालय परिसर स्थित निम्नलिखित सुविधाओं के ठेके/नीलामी के लिए समय निर्धारित कर दिया गया है। इनकी होगी नीलामीरू कैंटीन, फल एवं जूस की दुकान, फोटोकॉपी व फोटोग्राफी (दुकान संख्या–01 व 02), स्टेशनरी की दुकान, जनरल स्टोर एवं बेकरी, भूजा की दुकान, पान की दुकान और वाहन स्टैंड। तिथि और समयरू 25 मार्च 2026, दोपहर 01:30 बजे। जो भी इच्छुक व्यक्ति इस नीलामी या ठेका प्रक्रिया में भाग लेना चाहते हैं, वे निर्धारित तिथि और समय पर जनपद न्यायालय के सभागार में उपस्थित हो सकते हैं। नीलामी की प्रक्रिया नियमानुसार पारदर्शी तरीके से संपन्न कराई जाएगी। इच्छुक बोलीदाता विस्तृत शर्तों की जानकारी न्यायालय कार्यालय से प्राप्त कर सकते हैं।

राज्य महिला आयोग की उपाध्यक्ष कल करेंगी जनसुनवाई, पीड़ित महिलाएं सीधे रख सकेंगी अपनी बात

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग की माननीय उपाध्यक्ष चारु चौधरी कल, यानी 13 मार्च 2026 को जनपद सिद्धार्थनगर के भ्रमण पर रहेंगी। इस दौरान वह विकास भवन सभागार में महिलाओं की समस्याओं के समाधान हेतु विशेष जनसुनवाई एवं समीक्षा बैठक की अध्यक्षता करेंगी। जनसुनवाई के दौरान जनपद की कोई भी पीड़ित महिला अपनी शिकायत या समस्या सीधे राज्य महिला आयोग की उपाध्यक्ष के समक्ष प्रस्तुत कर सकेगी। प्राप्त शिकायतों पर मौके पर ही मौजूद संबंधित विभागीय अधिकारियों को निस्तारण हेतु आवश्यक दिशा–निर्देश जारी किए जाएंगे। जनसुनवाई के साथ ही उपाध्यक्ष महोदय जनपद के समस्त संबंधित विभागों के अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक भी करेंगी। इसमें महिला सुरक्षा, अधिकारों से जुड़े मुद्दों और लंबित प्रकरणों पर चर्चा की जाएगी। जिला प्रशासन ने जनपद की सभी महिलाओं से अपील की है कि यदि उन्हें किसी प्रकार की समस्या है, तो वे निर्धारित समय पर विकास भवन पहुंचकर इस अवसर का लाभ उठाएं ताकि उनकी समस्याओं का प्रभावी समाधान सुनिश्चित हो सके।

प्रधान, सचिव तकनीकी सहायक रोजगार सेवक पर फर्जी भुगतान का आरोप

दैनिक बुद्ध का संदेश

इटवा/सिद्धार्थनगर। विकास खन्ड खुनियांव अंर्तगत ग्राम पंचायत करहीखास मे ग्राम प्रधान,सचिव, रोजगार सेवक और तकनीकी सहायक पर फर्जी नाला भुगतान करने का मामला सामने आया है।जिसकी जांच शुरू हो गई जांच मे 2,17,838 रुपए का जांच में अनियमितता पाए जाने के बाद इतने 2,17,838 रुपये की रिकवरी का आदेश जारी किया गया है। बताया जा रहा है कि संबंधित ग्राम प्रधान और सचिव पहले से ही पिछले कार्यकाल से सुर्खियों में रहे है।और हैरानी की बात यह है कि डीएम राजा गणपत आर के कार्यकाल में इन्हीं लोगों को इनाम भी मिल चुका था।अब ऐही लोग नाला के नाम नाला के नाम पर फर्जी भुगतान करा लिए अब जांच के बाद जिम्मेदार लोगों से रकम की वसूली के आदेश दिए गए हैं।की पहले फर्जी भुगतान का पैसा सरकारी खाते में जमा किया जाऐ फिर आगे की कार्यवाही होगी इस मामले से क्षेत्र में चर्चा का विषय बना हुआ है।

शोहरतगढ़ पुलिस ने चोरी से संबंधित अभियुक्त को भेजा जेल

दैनिक बुद्ध का संदेश

शोहरतगढ़, सिद्धार्थनगर। गुरुवार को शोहरतगढ़ पुलिस ने चोरी से संबंधित वांछित अभियुक्त को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। सीओ मयंक द्विवेदी ने बताया कि शोहरतगढ़ पुलिस द्वारा संदिग्ध व्यक्तियों की चेकिंग की जा रही थी, कि मुखबिर की सूचना पर बीती रात करीब 10रू13 बजे सिसवा के पास से अभियुक्त गोरख धोबी (28) पुत्र स्व. गोपाल धोबी, निवासी वार्ड नं. 02 सेवरा, थाना कृष्णानगर, जिला कपिलवस्तु (नेपाल) को गिरफ्तार किया गया। अभियुक्त के बिरुद्ध शोहरतगढ़ थाना में कई मुकदमे दर्ज है, जो मुकदमा अपराध संख्या 37/2026 धारा 303(2), 317(2) बीएनएस से संबंधित वांछित था। शोहरतगढ़ पुलिस ने आवश्यक विधिक कार्रवाई पूरी कर अभियुक्त को न्यायालय भेज दिया है। सीओ ने यह भी बताया कि आरोपी के खिलाफ विभिन्न थानों में कई मामले दर्ज हैं। इनमें थाना शोहरतगढ़ व ढेबरुआ में चोरी से संबंधित कई मुकदमे शामिल हैं। इस दौरान प्रमुखरूप से प्रभारी निरीक्षक नवीन कुमार सिंह, उपनिरीक्षक संतोष कुमार यादव, हेड कांस्टेबल दिनेश कुमार यादव, कांस्टेबल प्रभाकर यादव व कांस्टेबल धर्मनाथ यादव शामिल रहे।

सीडीओ बलराम सिंह की अध्यक्षता में ब्राइवेट विलेज योजना की बैठक, 25 गांवों में योजनाओं का होगा शत–प्रतिशत लाभ

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। कलेक्ट्रेट सभागार में गुरुवार को ब्राइवेट विलेज योजना को कार्यान्वित किए जाने के लिए जिला स्तरीय समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता मुख्य विकास अधिकारी ने की। बैठक में समीक्षा करते हुए मुख्य विकास अधिकारी ने बताया कि सीमा क्षेत्र के चार विकास खंड लोटन, बर्डपुर, शोहरतगढ़ और बढ़नी के कुल 25 गांवों का चयन किया गया है। इन गांवों में केंद्र और राज्य सरकार की सभी योजनाओं का शत–प्रतिशत आच्छादन सुनिश्चित किया जाएगा। साथ ही बुनियादी सुविधाओं जैसे सड़क, बिजली, पानी और अन्य आवश्यक संसाधनों की उपलब्धता तथा क्षमता वृद्धि पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। सीडीओ ने अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि चयनित गांवों में बैनर–पोस्टर, नुक्कड़ नाटक, शिविर और घर–घर संपर्क अभियान के माध्यम से लोगों को योजनाओं के प्रति जागरूक किया जाए। उन्होंने यह भी निर्देश दिया कि गांवों के आधारभूत आंकड़े एकत्रित कर सर्वे कराया जाए और उसके आधार पर विस्तृत एक्शन प्लान तैयार किया जाए। बैठक में बताया गया कि विभिन्न लाभार्थीपरक योजनाओं का संतृप्तिकरण, गांवों में पहले से उपलब्ध बुनियादी सुविधाओं की स्थिति और आवश्यक नए निर्माण कार्यों का प्रस्ताव निर्धारित प्रारूप में तैयार किया जाएगा। परियोजनाओं के लिए निःशुल्क भूमि उपलब्ध कराई जाएगी तथा चयनित ग्राम पंचायतों में 3 करोड़ रुपये के बजट का प्रावधान किया गया है। इस अवसर पर जिला विकास अधिकारी राजमणि वर्मा, कमांडेंट एसएसबी, जिला अर्थ एवं संख्या अधिकारी बी.एस. यादव, जिला पंचायत राज अधिकारी वाचस्पति झा, अधीक्षण अभियंता विद्युत अजय कुमार, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी शैलेष कुमार, उप कृषि निदेशक राजेश कुमार, जिला कृषि अधिकारी रविशंकर पांडेय, जिला आबकारी अधिकारी वीर अभिमन्यु कुमार, जिला दिव्यांगजन सशक्तिकरण अधिकारी संदीप मौर्य सहित अन्य संबंधित अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर कृष्णा दीनबन्धु संस्थान द्वारा जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। 12 मार्च को कृष्णा दीनबन्धु संस्थान द्वारा अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर महिलाओं के सम्मान, अधिकार और सशक्तिकरण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से एक विशेष जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में ग्रामीण क्षेत्र की महिलाओं, किशोरियों, युवाओं तथा समुदाय के अन्य लोगों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम की शुरुआत संस्था के अध्यक्ष संतोष श्रीवास्तव ने महिलाओं के सम्मान में स्वागत भाषण के साथ की गई। इस अवसर पर संस्था के सचिव विवेक श्रीवास्तव ने कहा कि अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस महिलाओं की सामाजिक, आर्थिक, सांस्कृतिक और राजनीतिक उपलब्धियों को सम्मान देने का महत्वपूर्ण अवसर है। साथ ही यह दिन समाज में महिलाओं के अधिकार, समानता और न्याय के प्रति जागरूकता बढ़ाने का भी संदेश देता है। साथ ही साथ महिलाओं के हक एवं भागीदारी के बारे में विस्तृत रूप से बताया। कार्यक्रम के दौरान स्कोप परियोजना के समन्वयक रमाकांत जी महिलाओं के स्वास्थ्य, पोषण, शिक्षा, स्वावलंबन, लैंगिक समानता तथा किशोरियों के स्वास्थ्य और स्वच्छता जैसे विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई। संस्थान के तरफ से मुख्य अतिथि डॉक्टर प्रदीप कुमार जी ने बताया कि ग्रामीण क्षेत्रों में अभी भी कई महिलाएं स्वास्थ्य, शिक्षा और रोजगार के अवसरों से वंचित हैं। ऐसे में हम सबकी जिम्मेदारी है कि महिलाओं को जागरूक कर उन्हें आत्मनिर्भर बनने के लिए प्रेरित किया जाए। इस अवसर पर महिलाओं को उनके अधिकारों, सरकारी योजनाओं और स्वास्थ्य सेवाओं की जानकारी भी दी गई। पीरामल फाउंडेशन के जिला प्रोग्राम लीडर योगेन्द्र मोहन जी किशोरियों व महिलाओ को शिक्षा और पोषण के महत्व के बारे में जागरूक किया गया। कार्यक्रम के 52 लोग उपस्थित रहे. लोगों ने महिलाओं के सम्मान, समान अवसर और सशक्तिकरण के लिए मिलकर कार्य करने का संकल्प लिया। जिसमे विकास जी दिप्ती जी, अर्चना जी आदि लोग उपस्थित रहे।

भारत की 16वीं जनगणना–2027 की तैयारियां तेज, अम्बेडकर सभागार में अधिकारियों को दिया गया प्रशिक्षण

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। भारत की जनगणना–2027 के सफल संचालन हेतु जनपद में प्रशासनिक सक्रियता बढ़ गई है। गुरुवार को कलेक्ट्रेट स्थित अम्बेडकर सभागार में अपर जिलाधिकारी (वि./रा.) गौरव श्रीवास्तव की अध्यक्षता में जनपद के समस्त चार्ज अधिकारियों के लिए एक विशेष प्रशिक्षण कार्यशाला आयोजित की गई। जनगणना–2027 एक ऐतिहासिक प्रशासनिक कार्ययोजना प्रशिक्षण के दौरान जनगणना निदेशालय, उ०प्र० द्वारा नियुक्त नोडल अधिकारी एवं जिला प्रभारी नागेन्द्र यादव ने बताया कि वर्ष 2027 की यह जनगणना भारत की 16वीं और आजादी के बाद की 8वीं जनगणना श्रृंखला होगी। उन्होंने इसे विश्व की सबसे बड़ी प्रशासनिक कार्ययोजना बताते हुए कहा कि यह गांव, वार्ड और शहर स्तरीय डेटा का एकमात्र आधिकारिक स्रोत है। प्रशिक्षण में जनगणना के विभिन्न चरणों और उनकी समय–सीमा की विस्तृत जानकारी दी गई प्रथम चरण (मकान सूचीकरण) उत्तर प्रदेश में यह कार्य 22 मई से 20 जून 2026 तक चलेगा। स्व–गणना क्षेत्रीय कार्य शुरू होने से 15 दिन पूर्व यानी 7 मई से 21 मई 2026 तक जनता स्वयं भी डेटा दर्ज कर सकेगी। गणना) मुख्य जनसंख्या गणना 9 फरवरी से 28 फरवरी 2027 के बीच संपन्न होगी। नियुक्ति एवं प्रशिक्षण फील्ड ट्रेनर, प्रगणक एवं पर्यवेक्षकों की नियुक्ति 31 मार्च 2026 तक और उनका प्रशिक्षण 15 मई 2026 तक पूर्ण करने का लक्ष्य रखा गया है। अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि शिक्षा, राजस्व, पंचायतीराज और ग्राम विकास विभाग के कर्मचारियों का विवरण एक्सेल प्रारूप में ब्डडै पोर्टल पर आईडी बनाकर अपलोड किया जाए। विशिष्ट क्षेत्रों (जैसे सैन्य या अर्धसैनिक बलों के नियंत्रण वाले क्षेत्र) के लिए विशेष प्रभारी अधिकारी नियुक्त किए जाएंगे। कार्यशाला में जिला जनगणना प्रभारी शशांक शेखर राय, समस्त उपजिलाधिकारी, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी शैलेष कुमार, जिला सूचना विज्ञान अधिकारी वीरेन्द्र गुप्ता, समस्त तहसीलदार, नगर निकायों के अधिशासी अधिकारी, जनगणना सहायक गया प्रसाद मिश्र और बृजेश यादव सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

ग्राम पंचायत करही खास में मनरेगा धन के गबन के मामले में लोकपाल ने किया कार्यवाही

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। जनपद के विकास खण्ड खुनियांव के ग्राम पंचायत करही खास में मनरेगा योजना के अंतर्गत हुए भ्रष्टाचार के मामले में लोकपाल (मनरेगा) द्वारा बड़ी कार्रवाई की गई है। ग्राम निवासी अजहर अहमद की शिकायत पर हुई जांच में 2,17,836 रुपये के सरकारी धन के गबन की पुष्टि हुई है।बिना कार्य भुगतान करही बेका के खेत से अक्कडारी नाले तक खुदाई के नाम पर बिना कोई कार्य कराए फर्जी मस्टर रोल और कूट रचित दस्तावेजों के सहारे वित्तीय वर्ष 2024–25 एवं 2025–26 में धनराशि हड़प ली गई। भौतिक सत्यापन के दौरान न तो मौके पर कार्य पाया गया और न ही संबंधित कर्मियों द्वारा जांच के लिए कोई अभिलेख प्रस्तुत किए गए।जांच में पाया गया कि खंड विकास अधिकारी (कार्यक्रम अधिकारी) और अतिरिक्त कार्यक्रम अधिकारी ने वास्तविक तथ्यों को छुपाकर भ्रष्टाचार को बढ़ावा दिया। लोकपाल द्वारा ग्राम प्रधान समसुद्दीन, सचिव पीयूष पाण्डेय, ग्राम रोजगार सेवक और तकनीकी सहायक को सरकारी धन के गबन का मुख्य दोषी पाया गया है। गबन की गई कुल राशि 2,17,836 रुपये की समानुपातिक वसूली कर राजकीय कोष में जमा कराने के निर्देश। मनरेगा अधिनियम की धारा 25 के तहत सभी दोषियों पर 1000–1000 रुपये का जुर्माना।दोषियों के विरुद्ध सुसंगत धाराओं में एफआईआर (FIR) दर्ज कराने और विभागीय कार्रवाई की संस्तुति। लोकपाल ने स्पष्ट किया है कि सरकारी धन का दुरुपयोग और जांच में असहयोग करने वाले किसी भी कर्मी को बख्शा नहीं जाएगा।

खंड विकास अधिकारी खुनियांव द्वारा इस संबंध में बताया गया कि अभी तक हमारे पास लेटर नहीं पहुंचा है हमारे ऑफिस लेटर पहुंचने के बाद त्वरित दोषियों पर कार्रवाई कराऊंगा।
–विजय सिंह

बांसी क्षेत्र के ग्राम देवरिया में मां काली मंदिर की विधि-विधान से हुई प्राण प्रतिष्ठा

दैनिक बुद्ध का संदेश

बांसी। तहसील क्षेत्र के ग्राम पंचायत देवरिया में बांसी–गोरखपुर मुख्य मार्ग पर नवनिर्मित मां काली मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा गुरुवार 12 मार्च को विधि–विधान के साथ संपन्न हुई। जन सहयोग से निर्मित इस मंदिर में गुरुवार को सुबह 11 बजे से वाराणसी से आए विद्वान पंडितों द्वारा वैदिक मंत्रोच्चार के बीच पूजा–अर्चना और अनुष्ठान कराया गया। यजमान के रूप में रविकांत दूबे एवं उनकी पत्नी क्षमा दूबे ने विधि–विधान के साथ पूजन–अर्चन कर मंदिर में मां काली की प्राण प्रतिष्ठा कराई। इस दौरान देवी स्तुति, मंत्रोच्चार और हवन–पूजन का कार्यक्रम क्षेत्र के गणमान्य लोगों की उपस्थिति में संपन्न हुआ। स्थानीय लोगों के अनुसार इस स्थान पर मां काली का बहुत पुराना पिंड मौजूद था। लगभग वर्ष 1945 के आसपास तत्कालीन स्थानीय निवासी जटाशंकर दूबे द्वारा इस पिंड की प्राण प्रतिष्ठा कराई गई थी। ग्रामीणों का कहना है कि यहां सच्चे मन से मांगी गई मनोकामनाएं पूरी होती हैं, जिसके कारण इस स्थान के प्रति लोगों की गहरी आस्था है। श्री काली मंदिर सेवा ट्रस्ट द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में क्षेत्रीय विधायक जय प्रताप सिंह उपस्थित रहे। उन्होंने कहा कि ऐसे धार्मिक और सांस्कृतिक आयोजनों से समाज में आपसी भाईचारा और सामाजिक समरसता को बढ़ावा मिलता है। प्राण प्रतिष्ठा के पश्चात विशाल भंडारे का भी आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में क्षेत्रवासियों ने प्रसाद ग्रहण किया। कार्यक्रम में डॉ. चंद्र प्रकाश दूबे, सूर्य प्रकाश दूबे, वेद प्रकाश दूबे, ज्ञान प्रकाश दूबे, डॉ. शशिकांत दूबे, ऋतेश दूबे, मंगेश दूबे, अभय नंदन दूबे, विपुल उपाध्याय, ईश्वर चंद्र दूबे, रणजीत दूबे उर्फ बबुआ, अखिलेश कुमार उपाध्याय, सत्य प्रकाश दूबे, अभिषेक कृष्ण मालवीय सहित बड़ी संख्या में क्षेत्रवासी उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय सेवा योजना के छठे दिन निबंध प्रतियोगिता व योगाभ्यास का आयोजन

दैनिक बुद्ध का संदेश

बांसी। राष्ट्रीय सेवा योजना के छठे दिन 12 मार्च 2026 को राष्ट्रीय सेवा योजना के अंतर्गत रतन सेन डिग्री कॉलेज के स्वयंसेवकों द्वारा विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। प्रथम सत्र में स्वामी विवेकानंद इकाई के कार्यक्रम अधिकारी डॉ. सुभीर सिंह तथा रानी लक्ष्मीबाई इकाई की कार्यक्रम अधिकारी सुष्मिता श्रीवास्तव के निर्देशन में "विकसित भारतद्2047 में नागरिकों का योगदान" विषय पर दोनों इकाइयों के संयुक्त तत्वावधान में निबंध प्रतियोगिता आयोजित की गई। प्रतियोगिता में साक्षी दुबे ने प्रथम, सबा खातून ने द्वितीय तथा श्रद्धा और ज्योति ने संयुक्त रूप से तृतीय स्थान प्राप्त किया। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. संतोष कुमार सिंह ने स्वयंसेवकों का उत्साहवर्धन करते हुए उन्हें उनके सामाजिक उत्तरदायित्वों का एहसास कराया। साथ ही उन्होंने दोनों इकाइयों के कार्यक्रम अधिकारियों को आवश्यक दिशा–निर्देश भी दिए। कार्यक्रम में डॉ. देवराज सिंह, राष्ट्रीय सेवा योजना की पूर्व कार्यक्रम अधिकारी डॉ. सुनीता त्रिपाठी, डॉ. विनोद कुमार, डॉ. केदारनाथ गुप्ता, डॉ. कंचनयति, सपना त्रिपाठी, सूर्यकांत त्रिपाठी, प्रवेश दुबे, रविंद्र टंडन, आशुतोष नाथ वर्मा, जंबहादुर, सौरभ प्रताप सिंह, नंद कुमार दुबे सहित अन्य लोग उपस्थित रहे। द्वितीय सत्र में स्वामी विवेकानंद इकाई के कार्यक्रम अधिकारी डॉ. सुभीर सिंह तथा रानी लक्ष्मीबाई इकाई के संयुक्त तत्वावधान में "दैनिक जीवन में योग की आवश्यकता एवं महत्व" विषय पर व्याख्यान एवं योगाभ्यास कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता डॉ. हंसराज कुशवाहा ने योग की उपयोगिता पर प्रकाश डालते हुए स्वयंसेवकों को योगाभ्यास भी कराया तथा सभी को अपने दैनिक जीवन में योग को अपनाने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर डॉ. मनीष भारती सहित महाविद्यालय के शिक्षक एवं बड़ी संख्या में स्वयंसेवक उपस्थित रहे।

कीर्ति आजाद के बयान पर गौतम गंभीर का कड़ा जवाब, जानें टीम इंडिया के हेड कोच क्या बोले?

टीम इंडिया के हेड कोच गौतम गंभीर ने पूर्व क्रिकेटर और टीएमसी सासंद कीर्ति आजाद के एक बयान पर कड़ी प्रतिक्रिया दी है। इसमें उन्होंने भारतीय टीम के मंदिर जाने पर सवाल उठाया था। कीर्ति आजाद ने एक पोस्ट में लिखा था कि ट्रॉफी 1. 4 अरब भारतीयों की है, इसलिए ये सिर्फ एक धर्म की जीत नहीं होनी चाहिए। उनके इस बयान के बाद सोशल मीडिया पर तीखी बहस शुरू हो गई है। अब इस पूरे मामले पर गौतम गंभीर ने करारा जवाब दिया है। उन्होंने कहा कि, इस सवाल का जवाब देना भी जरूरी नहीं है। ये पूरे देश के लिए बहुत बड़ा पल है और हमें इस ऐतिहासिक जीत का जश्न मनाना चाहिए। ऐसी कुछ बातों को उठाने का कोई मतलब नहीं है, क्योंकि इससे टीम की उपलब्धियां छोटी हो जाती है। अगर आप उन 15 खिलाड़ियों की मेहनत को कम करके दिखाना चाहते हैं तो फिर कल कोई भी उठकर कुछ भी कह सकता है। उन्होंने कहा कि, ये खिलाड़ियों के साथ भी गलत है। जरा सोचिए कि इन खिलाडियों ने क्या–क्या झेला और कितना दबाव सहा है। साउथ अफ्रीका से हार के बाद टीम पर कितना दबाव था। ऐसे समय में अगर इस तरह का बयान दिया जाता है तो आप अपने ही खिलाड़ियों और अपनी ही टीम को नीचा दिखाते हैं ऐसा करना बिल्कुल गलत है।

सम्पादकीय

दूषित पानी शुद्ध करने की संवेदनशील पहल हो

संपन्न लोग तो आरओ तथा फिल्टर आदि वैकल्पिक व्यवस्था कर लेते हैं, लेकिन कमजोर वर्ग व सामान्य लोग दूषित पानी के उपयोग के लिये मजबूर होते हैं। स्वच्छ जल प्राप्त करना हर नागरिक का मौलिक व जीवन रक्षा का अधिकार जैसा है, जिसे गंभीरता से लेना चाहिए। इंदौर की घटना से सबक लेकर स्थानीय निकायों और प्रशासन को पेयजल व सीवर लाइन को सुरक्षित दूरी ...

अक्सर कहा जाता है कि जल ही जीवन है। लेकिन यह जल यदि दूषित हो तो क्या इसे जीवन कहा जा सकता है? यूं तो देश के गांवों में महत्वाकांक्षी जल जीवन मिशन जोर–शोर से चलाया जाता रहा है। लेकिन यह बात परेशान करती है कि पेयजल का बड़ा हिस्सा प्रदूषित पाया गया है। लोग सेहत के लिये हानिकारक जल पीने को मजबूर हैं। फलतरू इससे उत्पन्न बीमारियों की चुनौतियों का सामना करने को बाध्य होते हैं। यह हमारे नीति–नियंताओं की विफलता ही कही जाएगी कि देश के करोड़ों लोग आज भी स्वच्छ जल की उपलब्धता से वंचित हैं। सबसे ज्यादा चिंता की बात यह है कि देश के तमाम इलाकों में लिए गए दूषित पेयजल नमूनों के करीब दो तिहाई हिस्से को शुद्ध करने के प्रयास नहीं हुए हैं। जो इस बात को दर्शाता है कि आज भी देश के करोड़ों लोग स्वच्छ पेयजल हासिल नहीं कर पा रहे हैं। यह स्थिति हमारे विकास के मॉडल व तरक्की के दावों की तार्किकता पर प्रश्न चिन्ह लगाती है। यही वजह है कि दूषित जल से होने वाले रोगों का दायरा बढ़ रहा है। यह अच्छी बात है कि जोर–शोर से घर–घर नल से जल पहुंचाने की सार्थक पहल की गई। निस्संदेह, हर व्यक्ति का अधिकार है कि उसे अपने घर में स्वच्छ पेयजल मिले। इसी मकसद से साल 2019 में जल जीवन मिशन को सिरे चढ़ाया गया था। लेकिन इस योजना के सुरक्षित तरीके से संचालन और स्वच्छ जल आपूर्ति को लेकर सवाल खड़े होते रहे हैं। यह हकीकत है कि जब लोगों को स्वच्छ जल नहीं मिलता तो कई तरह के रोगों के पैदा होने का खतरा उत्पन्न हो जाता है। कहा भी जाता है कि हमारे अधिकांश रोग पेट से ही शुरू होते हैं। खासकर बच्चों व बुजुर्गों के लिये यह एक बेहद संवेदनशील मामला है। जिससे बचने के लिये स्वच्छ जल की आपूर्ति सुनिश्चित करना बेहद जरूरी हो जाता है। देश में बार–बार स्वच्छ शहर का खिताब हासिल करने वाले मध्यप्रदेश के इंदौर शहर में पिछले दिनों प्रदूषित पेयजल से होने वाली मौतों ने देश में खतरे की घंटी बजायी। घटना ने स्पष्ट संकेत दिया कि यदि इस दिशा में व्यापक स्तर पर प्रयास नहीं किए गए तो आने वाले समय में देश के सामने गंभीर स्वास्थ्य चुनौती पैदा हो सकती है। उल्लेखनीय है कि जल जीवन मिशन के अंतर्गत ग्रामीणों तक पहुंचाए जा रहे पेयजल की गुणवत्ता की परख के लिये पानी के सैंपल लिए जाते हैं। साथ ही स्वच्छ पेयजल उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए जवाबदेह लोगों के खिलाफ एक्शन भी लिया जाता है। यहां उल्लेखनीय है कि बीते साल जल जीवन मिशन के तहत तमाम राज्यों व केंद्रशासित प्रदेशों में पेयजल सैंपलों की जांच की गई। लेकिन चिंताजनक स्थिति यह है कि कुल नमूनों के छब्बीस प्रतिशत को ही शुद्ध करने के प्रयास हुए हैं। आखिर देश के किसी भी भाग में पेयजल के सैंपल लेने का क्या औचित्य रह जाता है, जब प्रदूषित जल को लेकर उपचारात्मक प्रयास न किए जाएं। सवाल केवल ग्रामीण इलाकों के लोगों को स्वच्छ जल उपलब्ध कराने का ही नहीं है, शहरी इलाकों में शुद्ध जल की उपलब्धता भी सुनिश्चित होनी चाहिए। गाहे–बगाहे देश के शहरी इलाकों में भी प्रदूषित जल पीने से बीमार होने की खबरें आती रहती हैं। लेकिन स्थानीय निकाय इस चुनौती को गंभीरता से नहीं लेते। संपन्न लोग तो आरओ तथा फिल्टर आदि वैकल्पिक व्यवस्था कर लेते हैं, लेकिन कमजोर वर्ग व सामान्य लोग दूषित पानी के उपयोग के लिये मजबूर होते हैं। स्वच्छ जल प्राप्त करना हर नागरिक का मौलिक व जीवन रक्षा का अधिकार जैसा है, जिसे गंभीरता से लेना चाहिए। इंदौर की घटना से सबक लेकर स्थानीय निकायों और प्रशासन को पेयजल व सीवर लाइन को सुरक्षित दूरी पर रखना सुनिश्चित करना चाहिए। जिन इलाकों में पेयजल पाइप लाइन को बिछे दशकों हो गए हैं, वहां उन्हें बदलने का काम युद्धस्तर पर किया जाना चाहिए। साथ ही रोजमर्रा की जरूरतों में काम आने वाले भूजल की गुणवत्ता सुधारने तथा घातक रसायनों से उसे मुक्त कराने की दिशा में गंभीर पहल की जाए।

तो क्या दुनिया विश्व युद्ध की तरफ अग्रसर है

वर्तमान में यह प्रश्न स्वाभाविक है कि क्या दुनिया विश्व युद्ध की तरफ अग्रसर है। यह एक ऐसा सवाल है जो आज पूरी दुनिया के प्रत्येक नागरिक के मन में है। वर्तमान वैश्विक परिस्थितियों को देखते हुए आपकी चिंता पूरी तरह वाजिब है। दुनिया में इस समय जो हलचल है, वह काफी जटिल है। वर्तमान में तनाव के मुख्य बिंदुओं को देखिए। दुनिया में इस समय कई ऐसी जगहें हैं जहाँ स्थिति ष्बारूद के ढेरष् जैसी है। रूस–यूक्रेन युद्ध को ही देखिए। यह पिछले कई दशकों में यूरोप का सबसे बड़ा संघर्ष है, जिसने वैश्विक शक्तियों को आमने–सामने खड़ा कर दिया है। मध्य पूर्व को देखिए। इज़राइल और हमास के बीच शुरू हुआ संघर्ष अब क्षेत्रीय तनाव का रूप ले चुका है, जिसमें ईरान और अन्य देशों की भागीदारी का खतरा बना रहता है। दक्षिण चीन सागर को देखिए।यहाँ चीन और उसके पड़ोसियों (तथा अमेरिका) के बीच बढ़ता तनाव भविष्य के लिए एक बड़ा संकेत है। तो फिर क्या हम मान लें कि क्या यह शविश्व युद्धश है। फिलहाल हम ष्शीत युद्ध 2.0ष् (कोल्ड वार 2.0) जैसी स्थिति में हैं, न कि पूर्ण विश्व युद्ध में। इसके कुछ कारण हैं।आर्थिक निर्भरता के विषय में बात करें तो आज के दौर में देश एक–दूसरे से व्यापारिक तौर पर इतने जुड़े हुए हैं कि एक बड़ा युद्ध सबकी अर्थव्यवस्था को तबाह कर देगा। गौरतलब है कि पूरी दुनिया को परमाणु निवारण पर ध्यान देना होगा। परमाणु हथियारों की मौजूदगी के कारण बड़े देश सीधे टकराने से बचते हैं, क्योंकि इसमें जीत किसी की नहीं होगी। आज बदलता युद्ध कौशल है। आजकल युद्ध केवल सीमाओं पर नहीं लड़े जाते। हाइब्रिड वॉरफेयर का दौर है। साइबर हमले होने की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता है। बैंकिंग और बिजली जैसे सिस्टम को ठप होना भी है। आर्थिक प्रतिबंध के रूप में देखें तो डॉलर को हथियार की तरह इस्तेमाल किया जा रहा है। आज प्रोक्सी वॉर का दौर है। सीधे न लड़कर छोटे देशों या गुटों के जरिए अपनी ताकत आजमाना। हालांकि स्थितियां गंभीर हैं और दुनिया ष्बहुध्रुवीयष् हो रही है, लेकिन कूटनीति अभी भी पूरी तरह विफल नहीं हुई है। अधिकांश राष्ट्र जानते हैं कि एक और विश्व युद्ध मानवता के लिए आत्मघाती साबित होगा।

लेखक विनय कांत मिश्र / दैनिक बुद्ध का संदेश

उत्तराखंड की राजधानी का अनसुलझा विवाद

हालांकि, कांग्रेस दो बार सत्ता में रह चुकी है और उत्तराखंड क्रांति दल भी सरकारों में शामिल रहा है। ऐसी स्थिति में देहरादून को स्थायी या शीतकालीन राजधानी घोषित करना राजनीतिक दृष्टि से जोखिम से खाली नहीं है। राजधानी केवल ईंट–पत्थर की इमारतों या विधानसभा की सीढ़ियों का नाम नहीं होतीय यह राज्य के `विजन' और उसकी `आत्मा' का प्रतिबिंब होती है। 25 साल बाद भी यदि उत्तराखंड की सरकारें `ग्रीष्मकालीन' और ...

राजधानी केवल ईंट–पत्थर की इमारतों या विधानसभा की सीढ़ियों का नाम नहीं होतीय यह राज्य के 'विजन' और उसकी 'आत्मा' का प्रतिबिंब होती है। 25 साल बाद भी उत्तराखंड की सरकारें 'ग्रीष्मकालीन' और 'शीतकालीन' के जुमलों में उलझी हैं। चमोली जिघ्ले में स्थित भराड़ीसैंण (गैरसैंण) में जब भी दो–तीन दिनों के लिए उत्तराखंड विधानसभा का सत्र आयोजित होता है तो सीमांत हिमालयी प्रदेश उत्तराखंड की स्थाई राजधानी का मुद्दा फिर गर्मा जाता है। नवम्बर, 2000 से लेकर अब तक राज्य गठन के 25 साल हो चुके हैं, लेकिन राज्य की राजधानी का मुद्दा अब तक नहीं सुलझा है। भाजपा की सरकार ने राजधानी के विवाद को सुलझाने के लिए भराड़ीसैंण को ग्रीष्मकालीन राजधानी घोषित तो कर दिया, लेकिन विपक्षी राजनीतिक दल तो दूर, यह घोषणा राज्य की राजधानी की मांग को लेकर एक अभूतपूर्व आंदोलन चलाने वाले लोगों के गले भी नहीं उतरी। किसी एक स्थान पर महज कुछ दिनों के लिए विधानसभा सत्र आयोजित करने से वह स्थान राजधानी नहीं बन जाता! अगर लोग भराड़ीसैंण को ग्रीष्मकालीन राजधानी मान भी लें तो शीतकालीन या स्थाई राजधानी का सवाल अभी भी अनुत्तरित है। जिस भराड़ीसैंण को ग्रीष्मकालीन राजधानी घोषित किया गया है, वहां पिछले छह वर्षों में केवल एक बार ग्रीष्मकालीन सत्र हुआ, और वह भी बहुत संक्षिप्त। उत्तराखंड अकेला राज्य है, जिसकी राजधानी आज तक तय नहीं हो पाई। इसके लिए उत्तराखंड का अपना राजनीतिक तंत्र जिम्मेदार रहा है, जो राज्य

गठन से लेकर अब तक राजधानी को लेकर एक राय नहीं बना सका। जब संसद में उत्तर प्रदेश पुनर्गठन विधेयक पास हो गया था, तो उसी समय से राजधानी की तलाश शुरू हो गई थी। उस समय जब विधायकों और सांसदों के बीच राजधानी को लेकर गढ़वाल और कुमाऊं के बीच रस्साकशी होने लगी, तो तत्कालीन वाजपेयी सरकार ने यह मुद्दा उत्तराखंड के लोगों पर छोड़ दिया और तात्कालिक ढांचागत सुविधाओं को देखते हुए देहरादून को अस्थायी राजधानी घोषित किया। साथ ही कुमाऊं के लोगों को संतुष्ट करने के लिए नैनीताल को हाईकोर्ट दे दिया। आज ये दोनों शहर अपनी सीमित धारण क्षमता के कारण राजधानी और हाईकोर्ट के बोझ तले दबे हुए हैं। दोनों ही भूगर्भीय दृष्टि से अति संवेदनशील हैं। नैनीताल की विकट स्थिति को देखते हुए स्वयं हाईकोर्ट को अपने लिए कोई नई जगह तलाशने के आदेश देने पड़े। केंद्र सरकार ने राजधानी के चयन की जिम्मेदारी उत्तराखंड (उत्तरांचल) सरकार पर छोड़ दी थी, इसलिए पहली नित्यानंद स्वामी सरकार ने इसके लिए दीक्षित आयोग का गठन कर दिया, जिसे छह माह के अंदर अपनी सिफारिशें देनी थीं। लेकिन आयोग उत्तराखंड की राजनीति से अपरिचित नहीं था, इसलिए उसने मामला आठ साल तक लटकाए रखा। फिर भी दीक्षित आयोग कायम रहा। 11 जनवरी, 2001 को गठित इस आयोग ने भारी जन दबाव के बाद 17 अगस्त, 2008 को अपनी रिपोर्ट दाखिल की, जो दिसंबर, 2008 में विधानसभा में रखी गई। दीक्षित आयोग की यह रिपोर्ट भी उत्तराखंड की क्षेत्रीय राजनीति की पोल खोलने के लिए काफी है। आयोग के समक्ष 70 विधायकों में से केवल एक और पांच सांसदों में से भी एक ने अपनी राय दी। सर्वेक्षणों में जनता का बहुमत गैरसैंण के पक्ष में था, लेकिन आयोग के सामने लिखित राय देने वाले केवल 4–5 लोग ही इसके पक्ष में खड़े दिखे। आयोग में राय देने वाले अधिकांश लोगों ने अपने क्षेत्रीय हितों को प्राथमिकता दी। गढ़वाल के लोगों ने ऋषिकेश या देहरादून और कुमाऊं के लोगों ने रामनगर या काशीपुर को वरीयता दी। ऐसी स्थिति में आयोग ने देहरादून के रायपुर क्षेत्र को ही अपनी वरीयता दे दी। भराड़ीसैंण में आयोजित बजट सत्र के दौरान 4 मार्च, 2020 को ग्रीष्मकालीन राजधानी की घोषणा हो गई। इस घोषणा की पुष्टि के लिए 8 जून, 2020 को आधिकारिक अधिसूचना भी जारी कर दी गई। भराड़ीसैंण के 'ग्रीष्मकालीन राजधानी' बनने के बाद पिछले छह वर्षों में केवल जून, 2022 में ही वहां वास्तविक ग्रीष्मकालीन सत्र हुआ। एक–दो सत्र शीतकाल में भी हुए, लेकिन वे आधे–अधूरे ही थे! एक सप्ताह तक विधानसभा चलाना राजधानी चलाना नहीं होता। संक्षिप्त सत्र पर ही करोड़ों रुपये खर्च हो जाते हैं और जनता से लेकर कर्मचारियों तक को होने वाली असुविधा अलग होती है। आर्थिक सर्वेक्षण के अनुसार, उत्तराखंड में 25 वर्षों के दौरान 80 हजार करोड़ का कर्ज चढ़ चुका है। यह केवल एक प्रशासनिक मुद्दा नहीं, बल्कि देश के लोकतांत्रिक इतिहास का सबसे लंबा 'राजनीतिक छलावा' है। अगर भराड़ीसैंण को ग्रीष्मकालीन राजधानी मान लिया, तो शीतकालीन राजधानी कहां है? इसका उत्तर भी गुम हो जाता है, क्योंकि कांग्रेस और उत्तराखंड क्रांति दल जैसे दल भराड़ीसैंण को राजधानी बनाने की घोषणा कर चुके हैं।

दलगत राजनीति से मुक्त हो राष्ट्रपति पद

{ जब कोई व्यक्ति प्रधानमंत्री अथवा राष्ट्रपति जैसे पद पर पहुंच जाता है तो उसकी अगड़ी या पिछड़ी, पुरुष या महिला आदिवासी या वनवासी वाली कोई पहचान नहीं बचती। इस सब का लाभ उठाने की किसी भी कोशिश को जनतांत्रिक मूल्य और आदर्शों के अनुरूप नहीं माना जाना चाहिए। पश्चिम बंगाल की इस हाल की घटना में देश के राष्ट्रपति के साथ कथित अनुचित व्यवहार हुआ है, आदिवासी... }

जब कोई व्यक्ति प्रधानमंत्री अथवा राष्ट्रपति जैसे पद पर पहुंच जाता है तो उसकी अगड़ी या पिछड़ी, पुरुष या महिला आदिवासी या वनवासी वाली कोई पहचान नहीं बचती। इस सब का लाभ उठाने की किसी भी कोशिश को जनतांत्रिक मूल्य और आदर्शों के अनुरूप नहीं माना जाना चाहिए। देश का राष्ट्रपति देश का प्रथम नागरिक ही नहीं होता, देश के सर्वोच्च पद पर आसीन व्यक्ति होता है। राष्ट्रपति को कैसे संबोधित किया जाये से लेकर राष्ट्रपति के साथ कैसा व्यवहार किया जाये जैसी बातें एक प्रोटोकॉल के अंतर्गत आती हैं, और अपेक्षा की जाती है कि कोई इसका उल्लंघन नहीं करेगा। हमारे राष्ट्रपति का सम्मान किसी व्यक्ति या पद का सम्मान मात्र नहीं है, वस्तुतः यह देश का सम्मान है, उस संविधान का सम्मान है, जिसके आधार पर हमारी समूची जनतांत्रिक व्यवस्था चलती है। इस पद की मर्यादा को देखते हुए कुछ ऐसी ही अपेक्षा उस व्यक्ति से भी की जाती है, जिसे देश इस पद पर बिठाता है। दलगत राजनीति से कहीं ऊपर होता है इस पद पर बैठा व्यक्तिदृपूरे राष्ट्र का प्रतिनिधित्व करता है और पूरे राष्ट्र को संरक्षण भी देता है। आमतौर पर यह माना जाता है कि हमारा राष्ट्रपति विवादों से परे होगा। पिछले सात दशक से भी अधिक समय का इतिहास इस बात का साक्षी है कि इस पद पर बैठे व्यक्तियों ने कुल मिलाकर पद की गरिमा की रक्षा ही की है। ऐसे में जब किसी राष्ट्रपति के संदर्भ में विवादास्पद स्थितियां बनती हैं तो खेद भी होता है और आशंका भी होती है कि देश का यह सर्वोच्च पद विवादों के चलते अपनी गरिमा न खो दे। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू की हाल की बंगाल–यात्रा को लेकर जिस तरह का वातावरण बन रहा है, वह किसी भी दृष्टि से उचित नहीं ठहराया जा सकता। हम इस घटना को लेकर कोई टिप्पणी करें उससे पहले इस बात को रेखांकित किया जाना जरूरी है कि एक आदिवासी महिला का इस पद पर पहुंचना हम सबके लिए गौरव की बात है। वे पहली महिला नहीं हैं जो इस पद के लिए चुनी गयी हैं, पर एक आदिवासी महिला यदि अपनी

योग्यता–क्षमता से देश की राष्ट्रपति बनती है तो महिलाओं अथवा आदिवासियों के एक ऊंचे मुकाम पर पहुंचने का ही उदाहरण नहीं है, यह हमारे जनतंत्र की परिपक्वता का भी एक गौरवशाली क्षण है। देश को इस पर गर्व होना चाहिए। हमें है इस बात का गर्व। इसलिए राष्ट्रपति, पद के अपमान को लेकर देश इतना संवेदनशील भी है। इस पद की गरिमा को कम करने की कोई भी घटना अथवा कोई भी कोशिश देश के जागरूक नागरिक को स्वीकार्य नहीं होनी चाहिए।

अब बंगाल वाली घटना की बात। संथाल आदिवासियों की एक संस्था द्वारा आयोजित कार्यक्रम में भाग लेने के लिए राष्ट्रपति बंगाल गयी थीं। राष्ट्रपति जब भी किसी राज्य में जाते हैं, भले ही वह यात्रा सामाजिक हो अथवा सरकारी, तो उनके स्वागत का एक निश्चित तरीका होता है, जिसका पालन राज्य सरकार को करना होता है। इस प्रोटोकॉल में मुख्य रूप से यह बात शामिल है कि राज्य का राज्यपाल, मुख्यमंत्री अथवा कोई वरिष्ठ मंत्री स्वागत करने पहुंचता है। यह संभव है कभी किन्हीं कारणों से इस व्यवस्था का पूरा पालन न हो पाता हो, पर ऐसा होने का कोई उचित कारण होना–दिखना चाहिए। राष्ट्रपति मुर्मू की इस यात्रा के दौरान मुख्यमंत्री ममता बनर्जी स्वागत के लिए नहीं पहुंची थीं। उन्होंने 'पूर्व निर्धारित अन्य कार्यक्रम' और राष्ट्रपति की यात्रा की पूर्व सूचना न मिलने का हवाला देकर अपनी अनुपस्थिति का औचित्य ठहराया है। उनकी बात सही भी हो सकती है, पर ऐसे में वे अपने मंत्रिमंडल के किसी वरिष्ठ सहयोगी को वहां भेज कर अपना कर्तव्य निभा सकती थीं। मुख्यमंत्री की यह चूक हल्के से नहीं ली जानी चाहिए। वे चाहतीं तो चूक को स्वीकार करके विवाद की तल्खी कम कर सकती थीं। पता नहीं क्यों उन्होंने ऐसा करना जरूरी नहीं समझा। राष्ट्रपति के सम्मान को लेकर किसी भी प्रकार की चूक को स्वीकार करना उचित नहीं है। देश के सर्वोच्च पद पर बैठे व्यक्ति को समुचित सम्मान मिलना ही चाहिए।

बहरहाल, इस विवाद का एक और पहलू भी है, जो राष्ट्र की चिंता का कारण होना चाहिए। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने अपनी चूक का बचाव करने की कोशिश करते हुए राष्ट्रपति की इस यात्रा को राजनीतिक उद्देश्य से प्रेरित बताया है और यह भी कहा है कि राष्ट्रपति केंद्र में सत्तारूढ़ दल के हितों की दृष्टि से आदिवासियों के इस कार्यक्रम में पहुंची थीं। ममता बनर्जी को यह शिकायत भी है कि राष्ट्रपति बार–बार बंगाल क्यों आती हैं। निश्चित रूप से राष्ट्रपति से यह अपेक्षा नहीं की जाती कि वह किसी राजनीतिक दल के हित को दृष्टि में रखकर कुछ काम करेंगी। पर इस आशय के आरोप भी हल्के में नहीं लगने चाहिए। राष्ट्रपति का सम्मान सर्वोपरि है, इसलिए राष्ट्रपति से भी यह अपेक्षा की जाती है कि वह भी इस सम्मान की रक्षा के प्रति जागरूक रहेंगी। जिस तरह न्याय होना ही नहीं, होते हुए दिखना भी चाहिए, उसी तरह राष्ट्रपति को भी निष्पक्ष होकर काम करते हुए दिखना चाहिए। ऐसे में जब हम यह देखते हैं कि राष्ट्रपति सार्वजनिक मंच से राज्य के मुख्यमंत्री के व्यवहार की आलोचना कर रही हैं, तो थोड़ा अटपटा लगता है। उचित तो यह होता कि वह टेलीफोन से, या पत्र लिखकर ही सही, अपनी अप्रसन्नता व्यक्त करतीं। राष्ट्रपति द्वारा खुले मंच से किसी राज्य सरकार या किसी मुख्यमंत्री की आलोचना करना कोई अच्छी परंपरा का उदाहरण नहीं है। इस सारे विवाद का तीसरा पहलू भी है। देश के प्रधानमंत्री ने पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री की तीखी आलोचना करते हुए इसे राष्ट्रपति का ही नहीं, एक दलित महिला का, विशेष रूप से एक आदिवासी महिला का अपमान बताना जरूरी समझा है। यह सही है कि हमारी राष्ट्रपति दलित महिला हैं और आदिवासी भी हैं पर अब वह देश की सर्वोच्च नागरिक हैं, राष्ट्रपति हैं, उनकी और कोई भी पहचान इस पद से बड़ी नहीं हो सकती।

ईरानी चक्रव्यूह को भेदकर मुंबई पहुंचा ऑयल टैंकर, जंग के बीच भारत लाया 135,335 मीट्रिक टन तेल

भारतीय नाविक द्वारा संचालित लाइबेरियाई ध्वज वाले टैंकर शेनलॉन्ग स्वेजमैक्स ने होर्मुज जलडमरूमध्य को सफलतापूर्वक पार किया और मुंबई बंदरगाह पर लंगर डाला। यह संघर्ष शुरू होने के बाद भारत के लिए कच्चे तेल की पहली ऐसी खेप थी। 1 मार्च को रास तानूरा बंदरगाह से सऊदी अरब के 135,335 मीट्रिक टन कच्चे तेल से लदे इस जहाज ने 8 मार्च को जलडमरूमध्य से चुपके से प्रवेश किया और ट्रैकिंग रडार से कुछ समय के लिए ओझल हो गया, फिर 9 मार्च को दोबारा दिखाई दिया। यह पैंतरा संभवतः उन जलक्षेत्रों में पकड़े जाने से बचने के लिए अपनाया गया था जहां ईरान ने व्यापारिक जहाजों को निशाना बनाया है और चीन को छोड़कर अन्य देशों के तेल परिवहन पर प्रतिबंध लगा दिया है, जिससे दुनिया के लगभग 20 प्रतिशत कच्चे तेल का प्रवाह ठप हो गया है।

होर्मुज जलडमः मध्य से तनावपूर्ण आवागमन

शेनलोंग शिपिंग लिमिटेड के स्वामित्व वाला और एथेंस स्थित डायनाकॉम टैंकर मैनेजमेंट द्वारा प्रबंधित शेनलोंग जहाज, ईरान पर अमेरिकी और इजरायली हमलों के बाद से जलडमरूमध्य में चल रहे तनावपूर्ण खेल का एक उदाहरण है। लॉयड्स लिस्ट इंटेलिजेंस और टैंकरट्रैकर्स जैसे समुद्री ट्रैकर्स ने 8 मार्च को जलडमरूमध्य के भीतर इसके अंतिम रात्रिकालीन सिग्नल की पुष्टि कीय इसके बाद इसने अपने एआईएस ट्रांसपोंडर को निष्क्रिय कर दिया, जो जैमिंग और धमकियों के बीच एक आम रणनीति है, और फिर मुंबई के रास्ते में दोबारा दिखाई दिया। कप्तान सुखांत सिंह संधू के नेतृत्व में भारतीयों, पाकिस्तानियों और फिलिपिनो सहित 29 चालक दल के सदस्यों के साथ, टैंकर दोपहर 1रू00 बजे जवाहर द्वीप पर पहुंचा और शाम 6रू06 बजे तक बर्थिंग शुरू कर दी, जैसा

कि मुंबई बंदरगाह प्राधिकरण के उप संरक्षक प्रवीण सिंह ने पुष्टि की है। माहुल रिफाइनरियों में माल उतारने में 36 घंटे लगने थे। क्या खतरे में भारतीय जहाज

यह सफलता एशिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था भारत को क्षणिक राहत प्रदान करती है, जहां कच्चे तेल और गैस के आयात का आधे से अधिक हिस्सा जलडमरूमध्य से होकर गुजरता है। हालांकि, इससे मौजूदा कमजोरियों की ओर भी इशारा मिलता है, क्योंकि जहाजरानी महानिदेशालय के अनुसार, 28 भारतीय ध्वज वाले जहाज अभी भी फंसे हुए हैं या आसपास मंडरा रहे हैं। युद्ध की शुरुआत में जलडमरूमध्य के पूर्व में मौजूद ऐसे आठ जहाज सुरक्षित जलक्षेत्र में पहुंच गए हैंरू देश महिमा, देश अभिमान, स्वर्ण कमल, विश्व प्रेरणा, जग विराट, जग लोकेश और एलएनजीसी असीम अरब सागर तक पहुंच गए, जबकि जग लक्ष्य अंगोला की ओर रवाना हो गया। इनमें से कई जहाजों ने एआईएस (एंटी–आइसोलेशन सिस्टम) को निष्क्रिय कर दिया या चीनी जहाजों का रूप धारण कर लिया। कोई आधिकारिक नौकायन प्रतिबंध नहीं है, लेकिन अधिकारी खतरे के आकलन और स्थिति के प्रति सजग रहने का आग्रह करते हैं, क्योंकि कालाबाजारी, ईंधन की राशनिंग और कीमतों में वृद्धि का असर कृषि, निर्यात और उद्योगों पर पड़ रहा है। भारत की ऊर्जा सुरक्षा पर प्रभावः मुंबई में अटलांटिक ग्लोबल शिपिंग के जितेंद्र जाधव द्वारा संचालित शेनलॉन्ग के आगमन से संसद में मचे बवाल को कुछ हद तक कम किया जा सकता है। यह कांग्रेस की किसानों की समस्याओं, एलपीजी की लंबी कतारों और कच्चे माल की कीमतों में 30 प्रतिशत की वृद्धि पर बहस की मांग को दर्शाता है। हालांकि, जलडमरूमध्य में निरंतर नाकाबंदी से और भी गंभीर व्यवधान उत्पन्न होने का खतरा है। जहाजरानी मंत्रालय संभावित प्रतिक्रियाओं पर विचार कर रहा है, ऐसे में इस अकेले टैंकर का गुप्त मार्ग से गुजरना भू–राजनीतिक उथल–पुथल के बीच समुद्री कौशल को उजागर करता है, जिससे रिफाइनरियों को संभावित रूप से स्थिरता मिल सकती है, जबकि 28 अन्य देश युद्धग्रस्त नाकाबंदी से मुक्त होने की प्रतीक्षा कर रहे हैं।

आईपीएल 2026 पर ईरान–इजराइल जंग की आंच, खिलाड़ियों की यात्रा को लेकर टीम अधिकारी चिंतित

मध्य–पूर्व में बढ़ते तनाव का असर अब क्रिकेट पर भी पड़ता दिख रहा है। दरअसल, कुछ रिपोर्ट्स के मुताबिक आईपीएल 2026 में खेलने आने वाले विदेशी खिलाड़ियों की यात्रा पर असर पड़ सकता है। हाल ही में ईरान–इजरायल के बीच बढ़ते संघर्ष और कुछ अहम हवाई रूट बंद होने के कारण से कई टीमों और खिलाड़ियों की यात्रा योजनाएं बिगड़ गई हैं।

दरअसल, टी20 वर्ल्ड कप 2026 के बाद कई देशों के खिलाड़ी अभी तक अपने घर नहीं पहुंच पाए हैं। खास तौर पर इंग्लैंड, वेस्टइंडीज और साउथ अफ्रीका के खिलाड़ियों की यात्रा प्रभावित हुई है। जिसका कारण है कि युद्ध के चलते

दुबई और दोहा जैसे बड़े ट्रांजिट एयरपोर्ट पर उड़ानों पर पाबंदियां लगा दी गई हैं। इस स्थिति को देखते हुए क्रिकेट फैंस के मन में ये सवाल उठने लगा है कि क्या इसका असर आईपीएल 2026 पर भी पड़ेगा। माना जा रहा है कि अगर हवाई सेवाओं में यही स्थिति बनी रहती है तो कुछ विदेशी खिलाड़ियों के समय पर भारत पहुंचने में दिक्कत हो सकती है। सूत्रों के अनुसार, कई टीमों के अधिकारियों का कहना है कि खिलाड़ियों को समय पर भारत लाना अब आसान नहीं होगा। एक टीम अधिकारी ने बताया कि वेस्टइंडीज और साउथ अफ्रीक के खिलाड़ियों की वापसी में पहले ही काफी देरी हो चुकी है। ऐसे में उन्हें दोबारा भारत लाना एक बड़ी चुनौती बन सकता है। अधिकारी के अनुसार पश्चिम एशिया में चल रहे तनाव के कारण से हवाई यात्रा महंगी भी हो गई है। कई उड़ानों के रूट बदल दिए गए हैं जिससे टिकटों के दाम भी काफी बढ़ गए हैं।

शुभमन गिल को क्रिकेटर ऑफ द ईयर, राहुल द्रविड़ को मिलेगा बीसीसीआई लाइफटाइम अचीवमेंट अवॉर्ड

पूर्व भारतीय कोच राहुल द्रविड़ को बीसीसीआई द्वारा 15 मार्च को दिल्ली में आयोजित सालाना नमन अवॉर्ड्स में कर्नल सीके नायडू लाइफटाइम अचीवमेंट अवॉर्ड से सम्मानित किया जाएगा जबकि भारत के टेस्ट व वनडे कप्तान शुभमन गिल को क्रिकेटर ऑफ द ईयर के सम्मान से सम्मानित किया जाएगा।

इंडियन एक्सप्रेस के मुताबिक भारत की पूर्व महिला कप्तान मिताली राज को भी लाइफटाइम अवॉर्ड देने पर विचार किया जा रहा है। जबकि मुंबई के आयुष म्हात्रे को उनके प्रदर्शन के लिए घरेलू लिमिटेड ओवर क्रिकेट में

बेस्ट ऑलराउंडर के लिए अमरनाथ अवॉर्ड से सम्मानित किया जाएगा। बता दें कि, राहुल द्रविड़, सचिन तेंदुलकर, सौरव गांगुली और वीवीएस लक्ष्मण के साथ भारत की मशहूर बिग फोर बैटिंग लाइन–अप का हिस्सा थे। द्रविड़ ने इस सभी स्टार बल्लेबाजों की टीम में मौजूदगी के बावजूद अपना खास स्थान बनाया था और उन्हें अपनी पीढ़ी के बेस्ट टेस्ट बल्लेबाजों में से एक माना जाता है। राहुल द्रविड़ ने वनडे प्रारूप में भी 10 हजार से ज्यादा रन बनाए थे और टेस्ट क्रिकेट में वो काफी असरदार रहे थे और उन्होंने घर में साथ ही विदेशी धरती पर भी खूब बन बनाए थे। साल 2012 में क्रिकेट से रिटायरमेंट के बाद उन्होंने शुरू में कमेंट्री किया और फिर कोचिंग में आ गए। बाद में उन्होंने इंडिया अंडर 19 टीम की कमान संभी और शुभमन गिल और पृथ्वी शॉ जैसे खिलाड़ियों वाली टीम को साल 2018 में अंडर 19 वर्ल्ड कप का खिताब दिलाया। इस दौरान उन्होंने इंडिया ए टीम के साथ मिलकर भी काम किया। राहुल द्रविड़ को इसके बाद साल 2021 में रवि शास्त्री की जगह भारतीय सीनियर टीम का हेड कोच बनाया गया और उनके कार्यक्रम में भारत ने 2023 वनडे वर्ल्ड कप के फाइनल में जगह बनाई, लेकिन टीम चौंपियन बनने से चूक गई। वहीं साल 2024 में भारतीय टीम ने वेस्टइंडीज में टी20 वर्ल्ड कप टाइटल अपने नाम किया। इस बीच मुंबई क्रिकेट एसोसिएशन को घरेलू क्रिकेट में सर्वश्रेष्ठ क्रिकेट एसोसिएशन के रूप में सम्मानित किया जाएगा।

पाकिस्तान की बांग्लादेश के खिलाफ हार से भड़के बासित अली, पीसीबी पर उठाए गंभीर सवाल

पाकिस्तान क्रिकेट टीम का टी20 वर्ल्ड कप 2026 में बुरा हाल हुआ था, उसके बाद बांग्लादेश दौरे पर भी पाकिस्तानी क्रिकेट टीम की दिशा और दशा दोनों नहीं सुधर पा रही है। बांग्लादेश के खिलाफ तीन मैचों की वनडे सीरीज के पहले मुकाबले में पाकिस्तान की टीम 31वें ओवर में ही 114 रन पर सिमट गई। बांग्लादेश ने 15.1 ओवर में ही 2 विकेट गंवाकर मैच जीता लिया। इसके बाद पाकिस्तान के पूर्व क्रिकेटर बासित अली बुरी तरह भड़क गए और उन्होंने पाकिस्तान टीम और पीसीबी को लताड़ा है।

बासित अली ने पाकिस्तान क्रिकेट मैनेजमेंट पर सवाल उठाए हैं और उनकी प्लानिंग को भी घेरे में लिया है। उन्होंने सबसे पहले पाकिस्तान की पहले 10 ओवर में धीमे खेलने और सधी शुरुआत करने की स्ट्रेटजी पर सवाल उठाए। वहीं उन्होंने एकसाथ कई सारे युवा खिलाड़ियों को उतारने को लेकर भी सवाल उठाए।

बासित अली ने पाकिस्तान टीम मैनेजमेंट को लताड़ते हुए कहा कि, सबसे पहले गोली मार दो उस आदमी को जिन्होंने बोला पॉवरप्ले के 10 ओवर में कम से कम 60 रन बनाने का कहा। उन्होंने कभी खुद ग्राउंड पर क्रिकेट नहीं खेला। वह बस एक कागज का टुकड़ा पकड़ा देते हैं। क्या उन्हें दिखता नहीं है कि यहां कंडीशन कैसी हैं? क्या उन्हेंये नहीं पता कि भारत तक बांग्लादेश में हारकर गया है?

बासित ने आगे युवा खिलाड़ियों को खिलाने पर कहा कि, इस डिबेट को खत्म करना होगा कि युवाओं को समय की जरूरत है। दुनियाभर के क्रिकेट में जब युवा मैदान पर उतरते हैं तो वह तैयार होते हैं। वह अपनी छाप छोड़ते हैं। हमारे खिलाड़ियों को समझना होगा कि ये लोकल क्लब ग्राउंड नहीं है। ये एक इंटरनेशनल टेस्ट वेन्यू है। टीम के दो खिलाड़ी बराबर कह रहे थे कि वह मध्यक्रम के बेस्ट बल्लेबाज हैं आपने देख लिया उन्होंने आज क्या किया।

पाकिस्तान की बल्लेबाजी बांग्लादेश के खिलाफ पहले मैच में बुरी तरह फ्लाप रही। मोहम्मद रिजवान, सलमान अली आघा, दोनों अनुभवी खिलाड़ियों ने निराश किया। पाकिस्तान की तरफ से इस मैच में चार खिलाड़ियों ने डेब्यू किया। पाकिस्तान की टीम का स्कोर 82 रन पर 9 विकेट था और आखिरी में फहीम अशरफ ने 37 रन की बदौलत स्कोर 114 तक पहुंचा। बांग्लादेश ने पाकिस्तान को 8 विकेट से करारी शिकस्त दी और सीरीज में 1–0 की बढ़त बना ली।

अमेरिका ने पेशावर वाणिज्य दूतावास को स्थायी रूप से बंद करने का किया फैसला, रणनीतिक गलियारे में बदली कूटनीति

अमेरिकी विदेश मंत्रालय ने पाकिस्तान के पेशावर में स्थित अपने वाणिज्य दूतावास को स्थायी रूप से बंद करने की आधिकारिक घोषणा कर दी है। अफगान सीमा के सबसे करीब स्थित यह राजनयिक मिशन दशकों तक दक्षिण एशिया में अमेरिकी हितों, रसद आपूर्ति और खुफिया ऑपरेशन्स का सबसे महत्वपूर्ण केंद्र रहा है। 'एसोसिएटेड प्रेस' (एपी) द्वारा बुधवार को प्राप्त अधिसूचना की एक प्रति के अनुसार, मंत्रालय ने इस सप्ताह कांग्रेस को वाणिज्य दूतावास को बंद करने के अपने इरादे के बारे में सूचित किया

और कहा कि इससे प्रति वर्ष 75 लाख अमेरिकी डॉलर की बचत होगी तथा पाकिस्तान में अमेरिकी राष्ट्रीय हितों को आगे बढ़ाने की उसकी क्षमता पर प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ेगा।

ट्रंप प्रशासन द्वारा लगभग सभी संघीय एजेंसियों में कटौती शुरू करने के बाद से यह कदम एक साल से अधिक समय से विचाराधीन है और इसका ईरान युद्ध से कोई संबंध नहीं है। ईरान युद्ध के कारण कराची और पेशावर सहित विभिन्न पाकिस्तानी शहरों में विरोध प्रदर्शन हो रहे हैं जिसके कारण अमेरिकी वाणिज्य दूतावासों ने अस्थायी रूप से अपना संचालन निलंबित कर दिया है। मंगलवार को जारी नोटिस के अनुसार, पेशावर वाणिज्य दूतावास में 18 अमेरिकी राजनयिक और अन्य सरकारी कर्मचारी तथा 89 स्थानीय कर्मचारी कार्यरत हैं। नोटिस में कहा गया है कि मंत्रालय इसे बंद करने के लिए 30 लाख अमेरिकी डॉलर खर्च करेगा।

आईसीसी ने 103.8 करोड़ की प्राइज मनी का किया बंटवारा, भारत के साथ सभी 20 टीमों को मिली इतनी धनराशि

आईसीसी ने टी20 वर्ल्ड कप 2026 के लिए अपनी प्राइज मनी में इजाफा किया है। इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल द्वारा इस टूर्नामेंट की प्राइज मनी के विभाजन की विस्तृत जानकारी शेयर की गई है। इस जानकारी के मुताबिक तकरीबन 103.8 करोड़ रुपये यानी 11.25 मिलियन यूएस डॉलर की इनामी राशि का बंटवारा किया गया है। आईसीसी ने सभी 20 टीमों को कितनी राशि दी हमारी इस रिपोर्ट में देखें।

विजेता भारतीय टीम को सबसे ज्यादा तकरीबन 2.6 मिलियन यूएस डॉलर यानी 24.3 करोड़ रुपये मिले हैं। वहीं भारत के अलावा रनर अप न्यूजीलैंड, सेमीफाइनल में हारने वाली साउथ अफ्रीका की टीम को भी 11 मिलियन यूएस डॉलर से ज्यादा की राशि मिली है। दरअसल, ये राशि प्रत्येक टीम

के राउंड वाइज जगह बनाने और प्रत्येक मैच जीतने के हिसाब से बांटी गई है।

वहीं प्रत्येक मैच जीतने के लिए एक टीम को 26 लाख रुपये मिले हैं। वहीं जो टीम एक भी मैच नहीं जीता पाईं और उन्होंने टूर्नामेंट में हिस्सा लिया, जैसे कनाडा, नामीबिया और ओमान, उन्हें भी 2.25 लाख यूएस डॉलर यानी तकरीबन 2 करोड़ से ज्यादा रुपये मिले हैं। इसका मतलब है कि कोई भी टीम टी20 वर्ल्ड कप से खाली हाथ नहीं लौटी है।

ये है सभी टीमों को मिली धनराशि

भारत– 24,35,91,556.84 करोड़ रुपये न्यूजीलैंड– 13,12,99,817.87 करोड़ रुपये साउथ अफ्रीका– 9,28,04,399.66 करोड़ रुपये इंग्लैंड– 8,99,29,206.34 करोड़ रुपये वेस्टइंडीज– 4,96,76,684,53 करोड़ रुपये पाकिस्तान– 4,82,39,087.87 करोड़ रुपये जिम्बाब्वे–4,53,63,894.56 करोड़ रुपये श्रीलंका– 4,39,26,390.19 करोड़ रुपये यूएसए– 2,85,92,087.38 करोड़ रुपये ऑस्ट्रेलिया– 2,85,92,087.38 करोड़ रुपये अफगानिस्तान– 2,85,92,087.38 करोड़ रुपये स्कॉटलैंड– 2,57,16,894.06 करोड़ रुपये आयरलैंड– 2,50,77,972.47 करोड़ रुपये इटली– 2,36,40,375.81 करोड़ रुपये नीदरलैंड्स– 2,36,40,375.81 करोड़ रुपये यूएई– 2,36,40,375.81करोड़ रुपये नेपाल– 2,36,40,375.81 करोड़ रुपये कनाडा– 2,07,65,182.50 करोड़ रुपये नामीबिया– 2,07,65,182.50 करोड़ रुपये ओमान– 2,07,65,182.50 करोड़ रुपये

जयशंकर के एक फोन कॉल ने किया काम, Strait of Hormu में भारतीय जहाजों को मिला Green Signal

भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर और उनके ईरानी समकक्ष अब्बास अराघची के बीच हुई बातचीत के बाद, ईरान ने भारतीय तेल टैंकरों को होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजरने की अनुमति दे दी है, जिससे नई दिल्ली को काफी राहत मिली है। यह कदम ऐसे समय में उठाया गया है जब पश्चिम एशिया में तनाव के कारण होर्मुज जलडमरूमध्य से होकर गुजरने वाला समुद्री यातायात बुरी तरह से बाधित हो गया है, जो दुनिया के तेल शिपमेंट के एक महत्वपूर्ण हिस्से को संभालने वाला एक महत्वपूर्ण मार्ग है, जिससे वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति को लेकर चिंताएं बढ़ गई हैं।

बुधवार (11 मार्च) को, लाइबेरियाई ध्वज वाले टैंकर शेनलॉन्ग स्वेजमैक्स, जिसका

1 मार्च को रास तानूरा बंदरगाह से सऊदी अरब के 135,335 मीट्रिक टन कच्चे तेल से लदे इस जहाज ने 8 मार्च को जलडमरूमध्य से चुपके से प्रवेश किया और ट्रैकिंग रडार से कुछ समय के लिए ओझल हो गया, फिर 9 मार्च को दोबारा दिखाई दिया। यह पैंतरा संभवतः उन जलक्षेत्रों में पकड़े जाने से बचने के लिए अपनाया गया था जहां ईरान ने व्यापारिक जहाजों को निशाना बनाया है और चीन को छोड़कर अन्य देशों के तेल पारगमन पर प्रतिबंध लगा दिया है, जिससे दुनिया के लगभग 20 प्रतिशत कच्चे तेल का प्रवाह ठप हो गया है।

होर्मुज जलडमरूमध्य फारस की खाड़ी को ओमान की खाड़ी से जोड़ने वाला एक संकरा लेकिन महत्वपूर्ण समुद्री गलियारा है और दुनिया के सबसे महत्वपूर्ण ऊर्जा चोकपॉइंट्स में से एक है। वैश्विक कच्चे तेल और द्रवीकृत प्राकृतिक गैस के निर्यात का एक बड़ा हिस्सा इस मार्ग से होकर गुजरता है, जिससे किसी भी प्रकार का दीर्घकालिक व्यवधान अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा बाजारों के लिए एक बड़ी चिंता का विषय बन जाता है।

पंचायत भवन वैवाही में लटका ताला, बदहाल व्यवस्था से परेशान ग्रामीण

दैनिक बुद्ध का संदेश

बहराइच। जनपद के बहराइच जिला के विकासखंड बलहा ब्लॉक अंतर्गत ग्राम पंचायत वैवाही ग्राम पंचायत में पंचायत भवन की स्थिति बदहाल बनी हुई है। पंचायत भवन में ताला लटका मिला, जबकि ग्राम पंचायत सचिव और प्रधान मौके से नदारद रहे। पंचायत भवन जर्जर अवस्था में अपनी बदहाली पर आंसू बहाता नजर आया। ग्रामीणों का आरोप है कि पंचायत भवन परिसर में साफ–सफाई की व्यवस्था पूरी तरह से शून्य है। जगह–जगह गंदगी फैली हुई है और लंबे समय से कोई देखरेख नहीं की गई है। वहीं ग्राम पंचायत में पेयजल की भी गंभीर समस्या बनी हुई है। ग्रामीण बूंद–बूंद पानी के लिए तरस रहे हैं, क्योंकि कई स्थानों पर लगे हैंडपंप खराब पड़े हैं और उनकी मरम्मत नहीं कराई गई है। सामुदायिक शौचालय की भी स्थिति बहुत ही खराब है। ग्रामीणों का कहना है कि ग्राम पंचायत में विकास कार्य सिर्फ कागजों तक ही सीमित रह गए हैं। सीमेंट और अन्य मरम्मत कार्यों का दावा तो किया जाता है, लेकिन जमीनी हकीकत कुछ और ही बयां कर रही है। पंचायत भवन के शौचालय की हालत भी बद से बदतर हो चुकी है, जिससे आने–जाने वाले लोगों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। स्थानीय लोगों ने आरोप लगाया कि जिम्मेदार अधिकारियों को सरकार का कोई डर नहीं रह गया है, जिसके चलते ग्राम पंचायत में विकास कार्यों की अनदेखी की जा रही है। ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है कि पंचायत भवन की स्थिति सुधारी जाए, खराब हैंडपंपों की मरम्मत कराई जाए और सफाई व्यवस्था को दुरुस्त किया जाए, ताकि लोगों को बुनियादी सुविधाएं मिल सकें।

रोहित पटेल का शस्त्र रिवाल्वर के लाइसेंस को डीएम द्वारा किया गया निरस्त

दैनिक बुद्ध का संदेश

संत कबीर नगर। 12 मार्च 2026 जिला मजिस्ट्रेट/जिलाधिकारी आलोक कुमार द्वारा सरकार बनाम रोहित पटेल मुकदमा की जिलाधिकारी कोर्ट में सुनवाई, अभिलेखीय साक्ष्यों व विवेचना के आधार पर रोहित पटेल पुत्र रमेश चौधरी निवासी तितौवा, थाना कोतवाली खलीलाबाद जनपद संत कबीर नगर के विरूद्ध दिनांक 04 नवम्बर, 2025 को निर्गत कारण बताओ नोटिस अन्तर्गत धारा 17 आयुध अधिनियम की पुष्टि करते हुए अनुज्ञप्ति संख्या 921वी/2025 यू०आई०एन० नम्बर 33014100400775402025 के अधीन एन०पी० बोर पिस्टल/रिवाल्वर धारक है। उक्त लाइसेंसधारी रोहित पटेल उपरोक्त आदि 04 नफर के विरूद्ध सुशान्त गोल्फ सिटी लखनऊ पर मुकदमा अपराध संख्या 829/2025 धारा 109(1)/35)/131/352/351(3)/115 वी०एन०एस० व धारा 27/30 आर्म्स एक्ट पंजीकृत है। लाइसेंस धारक रोहित पटेल अपनी लाइसेंसी पिस्टल से प्लासियों मॉल में गार्डो के उपर फायरिंग की गयी जिससे गोली गार्ड पुरुषोत्तम पाण्डेय को लगी थी। रोहित पटेल द्वारा अपने लाइसेंसी शस्त्र के नियमों एवं शर्तो का उल्लघन किया गया है जिस कारण रोहित पटेल उपरोक्त के पास उक्त लाइसेंस बना रहना जनहित में उचित नहीं है। संयुक्त पुलिस आयुक्त अपराध एवं मुख्यालय लखनऊ ने पुलिस उपायुक्त दक्षिणी लखनऊ की रिपोर्ट संलन करते हुए शस्त्र धारक रोहित पटेल उपरोक्त के लाइसेंस नम्बर 921वी/2025 यू०आई०एन० नम्बर 33014100400775402 025 के अधीन एन०पी० बोर पिस्टल/रिवाल्वर एनपी 0.32 बोर को निरस्त करने का अनुरोध किया। जिला मजिस्ट्रेट द्वारा जिलाधिकारी कोर्ट में सरकार बनाम रोहित पटेल की सुनवाई, पत्रावली पर उपलब्ध अभिलेखीय साक्ष्यों एवं विवेचना के आधार पर यह निर्णय लिया गया कि उक्त फायरिंग से लोक शान्ति की सुरक्षा एवं लोक क्षेम प्रभावित हुआ। अनुज्ञप्तधारक द्वारा अनुज्ञप्ति में दी गई शर्तो का उल्लंघन किया गया है। इनके उक्त आपराधिक कृत्य से स्पष्ट है कि इनके द्वारा प्रश्नगत आपराधिक प्रकरण की प्रकृति ऐसी है जिससे आम जन व समाज की तोक शान्ति एवं लोक क्षेम के प्रतिकूल है और यदि अनुज्ञप्तधारी को अनुज्ञप्ति रखने की दी गई तो लोक शान्ति व लोक क्षेप पर प्रतिकूल प्रभाव पडेगा। इस प्रकार लोक शान्ति की सुरक्षा के रष्टिगत विपक्षी के पास भारत लाइसेंस व उसके अधीन शास्त का रहना उचित नहीं है जिसके फलस्वरूप विपक्षी का शस्त लाइसेंस नम्बर 921वी/2025 यू० आई०एन० नम्बर 33014100 40077540 2025 व उसके अधीन एन०पी०बोर रिवाल्वर/पिस्टल को निरस्त किए जाने का पर्याप्त आधार विद्यमान होने के कारण निरस्त किया जाना न्यायोचित प्रतीत होता है। उक्त प्रकरण में जिलाधिकारी कोर्ट में जिला मजिस्ट्रेट आलोक कुमार द्वारा सरकार बनाम रोहित पटेल की सुनवाई एवं विवेचना के आधार पर लोक शांति व आमजन व समाज की सुरक्षा के दृष्टिगत उक्त शस्त्र लाइसेंस निरस्त कर दिया गया है।

पेट्रोल–डीजल व गैस आपूर्ति पर प्रशासन की सख्ती, जमाखोरी पर होगी कार्रवाई

दैनिक बुद्ध का संदेश

बहराइच। जनपद में डीजल, पेट्रोल और घरेलू गैस सिलेंडरों की सुचारु आपूर्ति सुनिश्चित करने तथा जमाखोरी व अनियमितताओं पर नियंत्रण के लिए जिला प्रशासन ने सख्त कदम उठाए हैं। जिलाधिकारी अक्षय त्रिपाठी के निर्देश पर नगर क्षेत्र सहित सभी तहसीलों में विशेष निगरानी टीमें गठित की गई हैं। जिलाधिकारी ने निर्देश दिए हैं कि टीमें अपने–अपने क्षेत्रों में लगातार भ्रमण कर पेट्रोल पम्पों और गैस एजेंसियों पर सतत निगरानी रखें। यह सुनिश्चित किया जाए कि आम नागरिकों को नियमानुसार डीजल, पेट्रोल और गैस सिलेंडर की आपूर्ति हो। यदि किसी पेट्रोल पम्प या गैस एजेंसी के खिलाफ जमाखोरी, कालाबाजारी या अन्य अनियमितता की शिकायत मिलती है तो संबंधित के विरुद्ध सुसंगत धाराओं में विधिक कार्रवाई के लिए तत्काल आख्या प्रस्तुत की जाएगी। नगर क्षेत्र के लिए गठित टीम का नेतृत्व नगर मजिस्ट्रेट करेंगे। टीम में जिला पूर्ति अधिकारी, क्षेत्रीय खाद्य अधिकारी, नगर के पूर्ति निरीक्षक, संबंधित क्षेत्राधिकारी, थानाध्यक्ष, वरिष्ठ निरीक्षक विधिक माप विज्ञान तथा ऑयल और एलपीजी कंपनियों के विक्रय अधिकारी शामिल किए गए हैं। इसी प्रकार तहसील स्तर पर भी उप जिलाधिकारियों के नेतृत्व में टीमें गठित की गई हैं। तहसील सदर में क्षेत्रीय खाद्य अधिकारी व पूर्ति निरीक्षक चित्तौरा, रिसिया, हुजूरपुर व तेजवापुर क्षेत्र की निगरानी करेंगे। तहसील नानपारा में पूर्ति निरीक्षक नवाबगंज, शिवपुर, बलहा व रिसिया को टीम में शामिल किया गया है। वहीं मोतीपुर तहसील क्षेत्र में पूर्ति निरीक्षक मिहींपुरवा और बलहा को जिम्मेदारी सौंपी गई है। जिलाधिकारी ने स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि पेट्रोल पम्पों और गैस एजेंसियों पर किसी भी प्रकार की मनमानी या जमाखोरी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। प्रशासन का उद्देश्य आम नागरिकों को आवश्यक ईंधन और गैस की निर्बाध व नियमानुसार आपूर्ति उपलब्ध कराना है। तहसील कैसरगंज में पूर्ति निरीक्षक कैसरगंज, जरवल, फखरपुर व हुजूरपुर क्षेत्र में निरीक्षण करेंगे, जबकि तहसील महसी में पूर्ति निरीक्षक महसी, तेजवापुर व शिवपुर क्षेत्र की निगरानी करेंगे। तहसील नानपारा में पूर्ति निरीक्षक नवाबगंज, शिवपुर, बलहा व रिसिया को टीम में शामिल किया गया है। वहीं मोतीपुर तहसील क्षेत्र में पूर्ति निरीक्षक मिहींपुरवा और बलहा को जिम्मेदारी सौंपी गई है। जिलाधिकारी ने स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि पेट्रोल पम्पों और गैस एजेंसियों पर किसी भी प्रकार की मनमानी या जमाखोरी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। प्रशासन का उद्देश्य आम नागरिकों को आवश्यक ईंधन और गैस की निर्बाध व नियमानुसार आपूर्ति उपलब्ध कराना है। तहसील पयागपुर में पूर्ति निरीक्षक पयागपुर, विशेश्वरगंज और हुजूरपुर क्षेत्र की जिम्मेदारी संभालेंगे। तहसील कैसरगंज

निरीक्षण के दौरान अधिकारियों को दिए आवश्यक निर्देश, महिलाओं की समस्याओं का हो त्वरित समाधान–ऋतुशाही

दैनिक बुद्ध का संदेश

गोन्डा। गोन्डा जनपद में उ.प्र. राज्य महिला आयोग की सदस्य ऋतु शाही का जनपद में आगमन हुआ।उन्होंने सर्किट हाउस में महिला संबंधी जनसुनवाई की और पीड़ित महिलाओं की समस्याओं को गंभीरता से सुना। जनसुनवाई के दौरान कुल 17 प्रकरण प्राप्त हुए, जिनमें से 09 प्रकरणों का मौके पर ही निस्तारण करा दिया गया, जबकि शेष 08 प्रकरणों के शीघ्र निस्तारण के लिए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए गए।इस दौरान उन्होंने कहा कि महिलाओं के साथ होने वाले अन्याय को किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और प्रत्येक पीड़िता को न्याय दिलाना प्राथमिकता है।इसके बाद गांधी पार्क स्थित टाउनहॉल में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस एवं होली मिलन समारोह में उन्होंने प्रतिभाग किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए समाज के प्रत्येक वर्ग को आगे आना होगा। उन्होंने कहा कि शिक्षा, जागरूकता और आत्मनिर्भरता के माध्यम से ही महिलाएं अपने अधिकारों के प्रति सजग होकर समाज में सम्मानजनक स्थान प्राप्त कर सकती हैं।कार्यक्रम के उपरांत श्रीमती ऋतु शाही ने कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय, दर्जीकुंआ का निरीक्षण किया।निरीक्षण के दौरान विद्यालय की खिड़की का शीशा टूटा हुआ पाया गया, जिस पर उन्होंने तत्काल उसे ठीक कराने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए। उन्होंने छात्राओं की सुरक्षा और सुविधाओं को सर्वोच्च प्राथमिकता देने की बात कही।इसके बाद उन्होंने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र वजीरगंज का भी निरीक्षण किया।यहां उन्होंने स्वास्थ्य सेवाओं की स्थिति का जायजा लिया और अधिकारियों को निर्देशित किया कि महिलाओं को गुणवत्तापूर्ण एवं समय पर चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराई जाए।इस दौरान जिला प्रोबेशन अधिकारी संतोष कुमार सोनी, जिला कार्यक्रम अधिकारी संजय कुमार,महिला थाना प्रभारी अनीता यादव,संरक्षण अधिकारी चन्द्रमोहन वर्मा,सेंटर मैनेजर चेतना सिंह,प्रियंका सिंह, सिद्धनाथ पाठक सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

आपत्तिजनक ऑडियो वायरल होने पर ग्राम प्रधान गिरफ्तार, पुलिस ने की शांति भंग की कार्रवाई

दैनिक बुद्ध का संदेश

महराजगंज/सिंदूरिया। सिंदूरिया थाना क्षेत्र के भेड़िया ग्राम पंचायत के ग्राम प्रधान से जुड़ा एक कथित आपत्तिजनक ऑडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद क्षेत्र में हलचल मच गई। ऑडियो में एक समाज विशेष के खिलाफ कथित टिप्पणी किए जाने का आरोप लगने पर पुलिस ने मामले का संज्ञान लेते हुए त्वरित कार्रवाई की और आरोपित ग्राम प्रधान को गिरफ्तार कर लिया। जानकारी के अनुसार बुधवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर एक ऑडियो क्लिप तेजी से प्रसारित होने लगी। बताया जा रहा है कि यह ऑडियो भेड़िया ग्राम पंचायत के ग्राम प्रधान अखिलेश प्रकाश यादव से संबंधित है, जिसमें कथित रूप से ब्राह्मण समाज के प्रति आपत्तिजनक शब्दों का प्रयोग किया गया है। ऑडियो वायरल होने के बाद क्षेत्र के लोगों में नाराजगी देखी गई और मामला चर्चा का विषय बन गया। मामले की सूचना मिलते ही सिंदूरिया थाना पुलिस ने जांच शुरू कर दी। प्रारंभिक जांच के आधार पर पुलिस ने आरोपित ग्राम प्रधान को हिरासत में लेकर पूछताछ की। इसके बाद क्षेत्र में शांति व्यवस्था बनाए रखने के उद्देश्य से उनके खिलाफ शांतिभंग की आशंका में कार्रवाई करते हुए चालान कर दिया गया। पुलिस का कहना है कि सोशल मीडिया पर किसी भी प्रकार की आपत्तिजनक या भड़काऊ सामग्री से सामाजिक सौहार्द प्रभावित हो सकता है। इसलिए ऐसे मामलों में सतर्कता बरतते हुए आवश्यक कानूनी कदम उठाए जा रहे हैं। इस संबंध में सिंदूरिया थानाध्यक्ष राजकुमार सिंह ने बताया कि वायरल ऑडियो को संज्ञान में लेकर संबंधित ग्राम प्रधान को गिरफ्तार किया गया है और उनके विरुद्ध शांतिभंग की आशंका में कार्रवाई करते हुए चालान किया गया है। साथ ही मामले की अन्य पहलुओं से भी जांच की जा रही है।

मंडलायुक्त का प्रयास, जनपद को मिलेगी एक स्पोर्ट्स कॉलेज की सौगात

दैनिक बुद्ध का संदेश

जिलाधिकारी द्वारा नगर पंचायत हरिहरपुर अन्तर्गत राजस्व ग्राम जगदीशपुर गौरा में स्पोर्ट्स कॉलेज के निर्माण हेतु उपलब्ध कराई गई जमीन

संत कबीर नगर। शासन के निर्देशानुसार मंडलायुक्त बस्ती मंडल बस्ती अखिलेश सिंह द्वारा जनपद संत कबीर नगर में मंडलीय स्पोर्ट्स कॉलेज के निर्माण हेतु आवश्यक जमीन की उपलब्धता के संबंध में जिलाधिकारी आलोक कुमार ने बताया है कि आयुक्त के निर्देश के क्रम में जनपद संत कबीर नगर में मण्डलीय स्पोर्ट्स कालेज के निर्माण हेतु नगर पंचायत हरिहरपुर के अन्तर्गत राजस्व ग्राम जगदीशपुर गौरा, तप्पा माडर, तहसील धनघटा, जनपद संत कबीर नगर में स्थिति गाटा संख्या–337 बमि0 / 10.000हे0 अर्थात 25 एकड़ भूमि मण्डलायुक्त, बस्ती मण्डल, बस्ती को स्पोर्ट्स कालेज के निर्माण हेतु उपलब्ध करा दिया गया है। जिलाधिकारी ने बताया कि जनपद में स्पोर्ट्स कालेज के निर्माण हेतु मण्डलायुक्त द्वारा प्रस्ताव शासन को प्रेषित किया जायेगा। शासन स्तर से अनुमोदन के उपरान्त निर्माण कार्य शुरू होगा। स्पोर्ट्स कालेज के निर्माण से जनपद के युवाओं को राष्ट्रीय/अंतरराष्ट्रीय स्तर पर आयोजित खेल प्रतियोगिताओं में प्रतिभाग करने का सुगम अवसर मिलेगा।

बदलता पयागपुर, निखरता पयागपुरः शिवदहा पयागपुर संपर्क मार्ग से बाबा पृथ्वी नाथ मंदिर तक सड़क निर्माण अंतिम चरण में

दैनिक बुद्ध का संदेश

पयागपुर/बहराइच। पयागपुर क्षेत्र अंतर्गत शिवदहा संपर्क मार्ग से इकौना–पयागपुर मार्ग होते हुए पुरैना बाजार से बाबा पृथ्वी नाथ मंदिर तक जाने वाले मार्ग का नवनिर्माण अब अपने अंतिम चरण में पहुंच गया है। लंबे समय से जर्जर और गड्ढों से भरी इस सड़क के कारण राहगीरों और श्रद्धालुओं को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ता था। खासकर मंदिर जाने वाले शिवभक्तों को धूल, कीचड़ और टूटी सड़क के कारण भारी कठिनाइयों से गुजरना पड़ता था। अब सड़क निर्माण कार्य तेजी से पूरा किया जा रहा है और जल्द ही क्षेत्र की जनता तथा शिवभक्तों को एक मजबूत और पक्की सड़क की सौगात मिलने वाली है। इससे न केवल आवागमन आसान होगा बल्कि मंदिर आने वाले श्रद्धालुओं की सुविधा भी बढ़ेगी। क्षेत्रीय जनता ने इस विकास कार्य के लिए सुभाष त्रिपाठी का आभार व्यक्त किया है। लोगों का कहना है कि उनके प्रयासों से क्षेत्र में लगातार विकास कार्यों को गति मिल रही है। "संकल्प से सिद्धि – अब बाबा के दरबार तक पहुंचना होगा और भी आसान।" सड़क निर्माण से पूरे क्षेत्र में खुशी का माहौल है और शिवभक्तों के लिए यह एक बड़ी राहत मानी जा रही है।

बहराइच में बढ़ते मच्छरों के प्रकोप को देखते हुए नगर पालिका ने बनाया रोस्टर प्लान

दैनिक बुद्ध का संदेश

बहराइच। शहर में बढ़ते मच्छरों के प्रकोप को देखते हुए नगर पालिका प्रशासन सक्रिय हो गया है। नगर क्षेत्र में मच्छरों की बढ़ती समस्या को नियंत्रित करने के लिए विशेष रोस्टर प्लान तैयार किया गया है। इसके तहत नगर के विभिन्न वार्डों में नियमित रूप से फॉगिंग और एंटी–लार्वा छिड़काव कराया जाएगा। नगर पालिका के अधिकारियों के अनुसार तैयार किए गए रोस्टर के अनुसार अलग–अलग टीमों को वार्डवार जिम्मेदारी सौंपी गई है। टीमें प्रतिदिन निर्धारित क्षेत्रों में पहुंचकर नालियों, जलभराव वाले स्थानों और घनी आबादी वाले इलाकों में दवा का छिड़काव करेंगी, जिससे मच्छरों के प्रजनन पर प्रभावी रोक लगाई जा सके। नगर पालिका ने नागरिकों से भी अपील की है कि अपने घरों और आसपास पानी जमा न होने दें तथा साफ–सफाई का विशेष ध्यान रखें। यदि कहीं अधिक मात्रा में मच्छरों की समस्या हो तो इसकी सूचना नगर पालिका को दें, ताकि वहां तत्काल फॉगिंग कराई जा सके। नगर पालिका प्रशासन का कहना है कि रोस्टर के अनुसार अभियान लगातार चलाया जाएगा, जिससे शहरवासियों को मच्छरों के प्रकोप से राहत मिल सके।

10 किलो से अधिक गांजा के साथ महिला गिरफ्तार, दो आरोपी फरार

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। म्योरपुर थाना पुलिस ने पुलिस अधीक्षक अभिषेक वर्मा के निर्देश पर अपराध और मादक पदार्थ तस्करों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। गुरुवार को पुलिस ने 10 किलो 150 ग्राम अवैध गांजा के साथ एक महिला को गिरतार कर न्यायालय भेज दिया। थानाध्यक्ष रामदरश राम के नेतृत्व में पुलिस टीम ने मु0अ0सं0 40/2026 धारा 8/20/270/29/60 एनडीपीएस एक्ट के तहत कार्रवाई करते हुए 48 वर्षीया मीरा देवी उर्फ गुड़िया पत्नी जितेंद्र नाथ उर्फ मुन्ना निवासी कुंडाडीह टोला चंद्रभान नगर, थाना म्योरपुर को गिरतार किया। वर्तमान में वह पूर्वी परासी, थाना अनपरा क्षेत्र में रह रही थी।पुलिस ने उसके पास से एक बोरी में रखे 10 पैकेटों में कुल 10 किलो 150 ग्राम गांजा, परिवहन में प्रयुक्त डीजायर कार संख्या न्च64 ।ट3973, दो मोबाइल फोन और 710 रुपये बरामद किए।पूछताछ में अभियुक्ता ने बताया कि वह सुरेन्द्र यादव उर्फ सोनू निवासी अंजानी (थाना बीजपुर) और लल्लन कुमार रवानी निवासी महुली जरहा (थाना म्योरपुर) के साथ मिलकर गांजा की तस्करी करती थी। अनपरा में किसी अज्ञात व्यक्ति को गांजा पहुंचाने के बदले उन्हें अच्छी रकम मिलती थी। इसी अवैध कमाई से लल्लन रवानी ने बरामद डीजायर कार खरीदी थी।पुलिस के अनुसार महिला के खिलाफ पहले भी एनडीपीएस और गैंगेस्टर एक्ट के कई मुकदमे दर्ज हैं। मामले में वांछित आरोपी लल्लन कुमार रवानी और सुरेन्द्र यादव की तलाश जारी है। गिरतारी करने वाली टीम में थानाध्यक्ष रामदरश राम, उपनिरीक्षक गुलाब सोनकर, महिला हेड कांस्टेबल संगीता पाठक और कांस्टेबल शिवेंद्र प्रताप सिंह शामिल रहे।

अष्टमी को खैरा भवानी पूजन व श्रंगार व सोनार समाज का होली मिलन समारोह धूमधाम से सम्पन्न

दैनिक बुद्ध का संदेश

गोन्डा। गोन्डा जनपद में कई वर्षों से होली त्योहार के आठवें दिन पड़ने वाली अष्टमी को आदि शक्ति मां खैरा भवानी मन्दिर पर सोनार होली मिलन व पूजन कार्यक्रम का आयोजन होता आ रहा है।इसी क्रम इस वर्ष भी दिनांक 11–03–2026 दिन बुधवार को भाव्य पूजन और होली मिलन समारोह हुआ सम्पन्न है।इस सम्बन्ध में जानकारी देते हुए अध्यक्ष अजय रस्तोगी एवं उपाध्यक्ष अमरनाथ सहयोगियों में रवि रस्तोगी कोषाध्यक्ष, तरून रस्तोगी, अंकित रस्तोगी,प्रतीक, हर्ष,मन्ना रस्तोगी, राजेश रस्तोगी, विकास सोनी मीडिया प्रभारी के द्वारा इस भाव्य होली मिलन समारोह और पूजन श्रंगार कार्यक्रम सकुशल सम्पन्न हुआ।जिसमें हजारो की संख्या में गोन्डा शहर क्षेत्र और जनपद के आसपास के सोनार समाज के परिवारो ने बढ़–चढ़कर हिस्सा लिया तथा एक दूसरे को होली मिलकर शुभकामनाएं देते हुए नजर आए। उपाध्यक्ष अमर नाथ ने बताया कि माता खैरा भवानी में सोनार परिवार की भागीदारी से हमारे पूर्वजों के द्वारा जारी पूजन श्रंगार और होली मिलन बहुत ही भाव्यता से होता चला आ रहा है इसमें सभी का सहयोग सराहनीय रहा।बता दें होली त्योहार प्यार और एकता का प्रतीक है इसके लिए सभी समाज के लोग मिलजुल कर किसी न किसी प्रकार से मिल जुलकर होली मिलन करते हैं। लेकिन जानकारो की मानें तो होली त्योहार के बाद मौसम में परिवर्तन होता है जिससे मानव शरीर में भी कई प्रकार के बदलाव सम्भव है इसलिए सोनार समाज के पूर्वजों द्वारा जो होली के उपरांत अष्टमी तिथि पर आदि शक्ति खैरा भवानी माता के पूजन, श्रंगार से शुरू होता है,जिसका प्रयोजन है कि सभी लोग कुशलतापूर्वक से रहे तथा ठंड और गरम मौसम से बचाव करे।

जगदम्बिका पाल ने कहा आर्थिक स्थिरता, किसान सुरक्षा और गरीब कल्याण पर सरकार की प्रतिबद्धता

दैनिक बुद्ध का संदेश

नई दिल्ली। लोकसभा में वर्ष 2025–26 के द्वितीय बैच की वित पर चर्चा के दौरान डुमरियागंज से सांसद जगदम्बिका पाल ने कहा कि यह प्रस्ताव सरकार की दूरदर्शी आर्थिक नीति और संकट प्रबंधन क्षमता का प्रमाण है। उन्होंने बताया कि द्वितीय अनुपूरक अनुदान का कुल आकार लगभग ध2.81 लाख करोड़ है, जिसमें करीब ध2 लाख करोड़ का शुद्ध नकद व्यय शामिल है, जबकि शेष राशि मंत्रालयों की बचत और बढ़ी हुई प्राप्तियों से पूरी की जाएगी। सांसद पाल ने कहा कि पश्चिम एशिया में ईरान–इज़राइल संघर्ष के कारण वैश्विक तेल कीमतों में 65–70 डॉलर प्रति बैरल से बढ़कर 88–119 डॉलर प्रति बैरल तक उतार–चढ़ाव देखने को मिला है। इससे उर्वरक गैस, खाद्यान्न परिवहन और निर्यात पर दबाव पड़ा। ऐसी स्थिति में केंद्र सरकार ने ध1 लाख करोड़ के म्बवदवउपब ॰जंइपसपेंजपवद थ्नदक के माध्यम से अर्थव्यवस्था को संभावित भू–राजनीतिक झटकों से सुरक्षित करने की पहल की है। उन्होंने कहा कि वर्ष 2014 से पहले भारत की अर्थव्यवस्था को अक्सर "फ़्रैजाइल" कहा जाता था, लेकिन

आज भारत की नॉमिनल जीडीपी लगभग तीन गुना बढ़कर ध357 लाख करोड़ हो चुकी है और विदेशी मुद्रा भंडार 686 अरब डॉलर तक पहुंच गया है। सांसद ने इसे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में आर्थिक स्थिरता और स्पष्ट नीतिगत दिशा का परिणाम बताया। .षि क्षेत्र का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि किसानों को राहत देने के लिए उर्वरक सब्सिडी बढ़ाकर ध1.86 लाख करोड़ कर दी गई है, जिससे लगभग 14 करोड़ किसानों को महंगे इनपुट की मार से बचाया जा सकेगा। साथ ही ध19,230 करोड़ की अतिरिक्त राशि योजनाओं के माध्यम से किसानों को उपलब्ध कराई जा रही है। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना के तहत आज 81 करोड़ लाभार्थियों को प्रति व्यक्ति 5 किलोग्राम मुत अनाज दिया जा रहा है, जिससे देश की खाद्य सुरक्षा मजबूत हुई है और गरीब वर्ग को बड़ी राहत मिली है। सांसद पाल ने यह भी कहा कि ध38,585 करोड़ का राज्यों को हस्तांतरण सहकारी संघवाद की भावना को मजबूत करता है। इससे पंचायतों, शहरी निकायों, स्वास्थ्य सेवाओं और आपदा प्रबंधन क्षमता को सु.ढ़ बनाने में मदद मिलेगी। अपने वक्तव्य के अंत में जगदम्बिका पाल ने कहा कि यह अनुपूरक अनुदान केवल वित्तीय प्रावधान नहीं है, बल्कि "विकसित भारत 2047" के लक्ष्य की दिशा में आर्थिक स्थिरता, किसान सशक्तिकरण और गरीब कल्याण की सरकार की प्रतिबद्धता का स्पष्ट संकेत है।

पूर्व सभासद एवं वरिष्ठ चिकित्सक के निधन से शोक

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। घोरावल नगर में बुधवार की रात पूर्व सभासद एवं प्रतिष्ठित चिकित्सक डॉक्टर कमलेश कुमार उमर का असामयिक निधन से घोरावल क्षेत्र में शोक व्याप्त है। ज्ञात हो कि डॉक्टर कमलेश कुमार क्षेत्र में प्रतिष्ठित चिकित्सक एवं समाजसेवी के रूप में लोकप्रिय थे।अचानक तबीयत खराब होने पर वाराणसी स्थित निजी चिकित्सालय में भर्ती कराया गया जिसमें इलाज के दौरान बुधवार को निधन का समाचार मिलने पर घोरावल में विधायक डॉ अनिल कुमार मौर्य, पूर्व विधायक रमेश चंद दुबे, ब्लॉक प्रमुख दीपक सिंह पटेल, नगर पंचायत अध्यक्ष सूरज श्रीवास्तव पूर्व नगर पंचायत अध्यक्ष राजेश कुमार, राकेश कुमार, दी घोरावल बार के पूर्व अध्यक्ष प्रयागराज एडवोकेट, व्यापार मंडल अध्यक्ष दयाशंकर गुप्ता एवं विभिन्न सामाजिक संगठनों एवं नागरिकों ने शोक व्यक्त किया है.डॉक्टर कमलेश कुमार उर्फ गौरी क्षेत्र में समाज सेवक एवं विनम्र व्यवहार के लिए जाने जाते थे। डॉ कमलेश कुमार के दोनों ही पुत्र डा क्टर अखिलेश कुमार एवं डॉ अमित कुमार प्रभारी चिकित्सा अधिकारी के रूप में मिर्जापुर एवं सोनभद्र जनपद में सेवा कर रहे हैं।

संदिग्ध अवस्था मे वृद्धा ने बडेर पर फंदा लगा किया आत्म हत्या

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। म्योरपुर थाना क्षेत्र के बलियरी गांव निवासी वृद्धा ने बुधवार की रात्रि मे अपने घर के बडेर पर अपनी ही साड़ी का फंदा लगा कर आत्म हत्या कर ली।पुलिस के अनुसार परिजन गांव के एक शादी मे गए हुए थे, घटना की सूचना दोपहर को प्रधान द्वारा पुलिस को दी गई, थाने पर स्टॉफ की भारी कमी के कारण चार बजे तक पुलिस मौके पर नहीं पहुंच सकी थी ।बाद में पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पोस्ट मार्टम के लिए भेजा गांव निवासी 59 वर्षीय फुलबसिया पत्नी रामकिशुन ने रात्रि मे जिस साड़ी को पहनी थी उसी से फंदा बना बडेर से लटक गयी, बताया जाता है कि परिजन गुरुवार दोपहर जब शादी से लौटे तो यह .श्य देख आवाक रह गए, परिजनों ने प्रधान को सूचित किया, प्रधान ने फोन से थानाध्यक्ष को सूचित किया, इन दिनों म्योरपुर थाना स्टॉफ की भारी कमी से जूझ रहा, स्थानांतरण के कारण संख्या नाम मात्र की है, क्षेत्रीय लोगो ने पुलिस अधीक्षक से पुलिस बल पर्याप्त मात्रा मे पदस्थापित करने की मांग की है,थानाध्यक्ष राम दरस राम ने बताया कि बुजुर्ग महिला ने फांसी लगा ली थी।शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है।

नशा उन्मूलन जागरूकता रैली से दिया संदेश,एनएसएस शिविर के छठवें दिन मेहंदी प्रतियोगिता का हुआ आयोजन

दैनिक बुद्ध का संदेश

गोन्डा। जनपद के महाकवि तुलसीदास स्नातकोत्तर महाविद्यालय परसपुर की राष्ट्रीय

सेवा योजना इकाई के तत्वाधान में कम्पोजिट विद्यालय पूरे राम भरोसे पाण्डेय में चल रहे सात दिवसीय विशेष शिविर के छठवें दिवस का शुभारम्भ बुधवार को कार्यक्रमाधिकारी डॉ. सीमा तिवारी एवं डॉ. अजीत सिंह तथा शिवगोपाल शुक्ल व प्रधानाचार्या वन्दना वर्मा द्वारा माँ सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्ज्वलन के साथ किया गया। इसके पश्चात दोनों कार्यक्रमाधिकारियों के नेतृत्व में 'नशा उन्मूलन जागरूकता रैली' शिविर स्थल से निकालकर सिताबी पुरवा तक ले जाई गई, जिसमें स्वयं सेवक–सेविकाओं ने युवाओं तथा अन्य ग्रामीण जनों को नशा के दुष्परिणामों के बारे में बताते हुए नशा न करने का आह्वान किया। रैली में खुशबू सिंह, नैन्सी सिंह, काजल, महिमा, लक्ष्मी पाण्डेय एवं अर्पित मिश्र ने जन–जन को नशा से होने वाली हानियों के प्रति जागरूक किया। बौद्धिक सत्र में स्वयं सेविकाओं द्वारा मेहंदी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें प्रथम स्थान खुशबू सिंह राठौर, द्वितीय स्थान सोनिया गौतम तथा तृतीय स्थान नैन्सी सिंह व मोहिनी गौतम ने प्राप्त किया। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में अंग्रेजी विभाग के शिवम पाण्डेय एवं पुस्तकालयाध्यक्ष डॉ मुरलीधर मिश्र ने नशा से होने वाली सामाजिक एवं आर्थिक हानियों पर व्यापक जानकारी दी। उन्होंने नशा को एक सामाजिक कुरीति की संज्ञा दी। वहीं डॉ. दयाशंकर मिश्र ने अपने अवधी गीत 'नशा उन्मूलन चलयबय, बलम तोहरे संग नचलबय' के माध्यम से उपस्थित सभी लोगों को जागरूक किया। इस अवसर पर शिविर में डॉ .दिनेश मिश्र, डॉ.नरेन्द्रनाथ पाण्डेय, डॉ. अनूप शुक्ल सहित अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

बभनी में नोडल शिक्षकों, आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं का दो दिवसीय प्रशिक्षण प्रारंभ

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। बभनी शिक्षा क्षेत्र में गुरुवार को ब्लॉक संसाधन

केंद्र (बीआरसी) बभनी में परिषदीय विद्यालयों के नोडल शिक्षकों और आंगनवाड़ी कार्यकत्रियों के लिए दो दिवसीय वंडर बॉक्स आधारित प्रशिक्षण का शुभारंभ हुआ। कार्यक्रम की शुरुआत खंड शिक्षा अधिकारी राकेश कुमार पांडेय और बाल विकास विभाग की मुख्य सेविका चमेली देवी ने मां सरस्वती के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का उद्घाटन किया।यह प्रशिक्षण प्री–प्राइमरी शिक्षा को सु.ढ़ करने के उद्देश्य से आयोजित किया गया है। इसमें ब्लॉक स्तरीय संदर्भदाताओं द्वारा नोडल शिक्षकों और आंगनवाड़ी कार्यकत्रियों को वंडर बॉक्स के प्रभावी उपयोग के बारे में प्रशिक्षित किया जा रहा है।खंड शिक्षा अधिकारी राकेश कुमार पांडेय ने बताया कि वंडर बॉक्स में 3 से 6 वर्ष के बच्चों की शिक्षा को रोचक और प्रभावी बनाने के लिए विभिन्न प्रकार की शिक्षण सामग्रियां शामिल हैं। इनमें खिलौने, पहेलियाँ और चित्रात्मक किताबें होती हैं, जो बच्चों के कौशल विकास में सहायक हैं।यूनिसेफ के सहयोग से विकसित इस शिक्षण सामग्री का उपयोग बच्चों के संज्ञानात्मक और शारीरिक विकास को बढ़ावा देने के लिए किया जाएगा।प्रशिक्षण का मुख्य लक्ष्य 3–6 वर्ष के बच्चों की शिक्षा को आकर्षक बनाना और निपुण भारत के लक्ष्यों को प्राप्त करना है। यह पहल सक्षम आंगनबाड़ी योजना के तहत आंगनबाड़ी केंद्रों को आधुनिक बनाने और शिक्षा को मजबूत करने की सरकारी कोशिशों का हिस्सा है।इस दो दिवसीय कार्यशाला में भानू प्रताप सिंह, विष्णु दयाल यादव, एआरपी अमित कुमार और चंद्रशेखर सिंह ने प्रशिक्षक की भूमिका निभाई। प्रशिक्षण में नोडल शिक्षक आनंद कुमार सिंह, लाल बहादुर, दिनेश सिंह, निशि दुबे, प्रवीण कुरील और आंगनवाड़ी कार्यकर्ता एना युसुफ, शारदा देवी, सीता देवी, चंद्र लेखा सहित सभी 55 को–लोकेटेड आंगनवाड़ी केंद्रों के नोडल शिक्षक और आंगनवाड़ी कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

क्षेत्राधिकारी नगर द्वारा कोतवाली रॉबर्ट्सगंज में पेंडिंग विवेचनाओं के त्वरित निस्तारण हेतु की गई समीक्षा

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। बुधवार की रात्रि को क्षेत्राधिकारी नगर रणधीर कुमार मिश्रा द्वारा कोतवाली रॉबर्ट्सगंज में लंबित विवेचनाओं के त्वरित एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के संबंध में समीक्षा बैठक आयोजित की गई। इस दौरान उपस्थित समस्त अधिकारी एवं कर्मचारीगण को वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा दिए गए निर्देशों से अवगत कराते हुए लंबित विवेचनाओं के शीघ्र निस्तारण हेतु आवश्यक दिशा–निर्देश प्रदान किए गए। क्षेत्राधिकारी नगर द्वारा विवेचकों को निर्देशित किया गया कि सभी प्रकरणों में निष्पक्ष, पारदर्शी एवं समयबद्ध विवेचना सुनिश्चित की जाए तथा लंबित मामलों के शीघ्र निस्तारण हेतु आवश्यक कार्यवाही की जाए, जिससे पीड़ितों को समय पर न्याय मिल सके। इसके उपरांत बढ़ौली चौराहा पर पहुंचकर क्षेत्राधिकारी नगर द्वारा पीआरबी के कर्मचारीगण को वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा दिए गए निर्देशों के क्रम में ब्रीफ किया गया। इस दौरान उन्हें डायल–112 सेवा के माध्यम से प्राप्त होने वाली सूचनाओं पर तत्काल एवं प्रभावी कार्रवाई, आमजन के साथ शिष्ट व्यवहार, तथा कानून–व्यवस्था बनाए रखने के संबंध में आवश्यक दिशा–निर्देश दिए गए। जनपद पुलिस द्वारा आमजन की समस्याओं के त्वरित निस्तारण एवं प्रभावी पुलिसिंग सुनिश्चित करने हेतु लगातार समीक्षा एवं आवश्यक कार्यवाही की जा रही है।

शिविर में योगाभ्यास व मतदाता जागरूकता की दिलाई गई शपथ

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय ओबरा की राष्ट्रीय सेवा योजना की चारों इकाइयों के चल रहे सात दिवसीय विशेष शिविर के दूसरे दिन गुरुवार को सर्वप्रथम शिविरार्थियों को पतंजलि योग समिति ओबरा के प्रभारी वीरेंद्र श्रीवास्तव एवं ममता श्रीवास्तव और उनकी टीम ने शिविरार्थियों को योगाभ्यास कराया। इसके पश्चात मतदाता जागरूकता शपथ दिलाई गई। इस दौरान अपने मताधिकार का प्रयोग करने एवं मतदान प्रतिशत को बढ़ाकर मजबूत लोकतंत्र का निर्माण करने के लिए छात्र/छात्राओं एवं कार्यक्रम अधिकारियों ने खैराटिया गॉव की विभिन्न मलिन बस्तियों में जागरूकता रैली निकाल कर जागरूक किया गया। वही व्यक्तिगत रूप से संपर्क कर वोट के महत्व, सारे काम छोड़कर वोट डालकर सशक्त एवं मजबूत लोकतंत्र का निर्माण करने हेतु प्रेरित किया । रैली से आने के पश्चात वोट जैसा कुछ नहीं, वोट जरुर डालेंगे हमष शीर्षक पर बौद्धिक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। संगोष्ठी की अध्यक्षता करते हुए डॉ उपेन्द्र

कुमार ने सभी को उनके एक मत का महत्व बताते हुए सभी छात्र/छात्राओं को अपना वोटर कार्ड बनवाने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम अधिकारी डॉ सचिन कुमार ने देश को सु.ढ़, सशक्त एवं समृद्ध बनाने हेतु मजबूत लोकतंत्र के निर्माण के लिए लोगों को अपने मताधिकार का प्रयोग अनिवार्य रूप से करने के साथ ही अपने घर – परिवार, मित्रों, रिश्तेदारों को भी वोट करने हेतु प्रेरित किया। कार्यक्रम अधिकारी डॉ. आलोक यादव ने मताधिकार के प्रयोग को स्वस्थ लोकतंत्र के निर्माण की आधारशिला बताया।

कार्यक्रम अधिकारी डॉ. संघमित्रा ने मतदान प्रतिशत बढ़ाने में युवाओं की भूमिका को महत्वपूर्ण बताया। कार्यक्रम अधिकारी अंजलि मिश्रा ने बताया कि यदि हमें अपने देश को मजबूत बनाना है तो हम सभी को अपने मताधिकार का प्रयोग करना होगा। महाविद्यालय के छात्र छात्राएं प्रियांशी सिंह, अभिषेक, नीरज, राजेश, सूरज, प्रिंस शर्मा, आनंद आदि छात्र छात्राओं ने भी एक वोट के महत्व एवं मताधिकार पर अपने विचार व्यक्त किये। बौद्धिक संगोष्ठी के पश्चात म्यूजिकल कुर्सी दौड़ खेल प्रतियोगिता आयोजित की गयी। प्रतियोगिता में सुमेधा सिंह प्रथम स्थान , श्याम द्वितीय स्थान तथा सलोनी तृतीय स्थान पर रही। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से डॉ संतोष कुमार सैनी, डॉ. विभा पांडेय, डॉ राजेश प्रसाद, डॉ विनोद बहादुर सिंह, वैशाली शुक्ला, महेश पांडेय आदि लोग मौजूद रहे।

86 पीड़ितों को ध35,86,160/– की धनराशि कराई गई वापस

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। जनपद में बढ़ते साइबर अपराधों पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित करने तथा साइबर ठगी से पीड़ित नागरिकों को शीघ्र न्याय एवं राहत प्रदान करने के उद्देश्य से पुलिस अधीक्षक अभिषेक वर्मा के कुशल निर्देशन में साइबर अपराध के विरुद्ध सघन एवं निरंतर अभियान चलाया जा रहा है। उक्त अभियान के अंतर्गत श्रीमान अपर पुलिस अधीक्षक नोडल साइबर क्राइम अनिल कुमार के मार्गदर्शन तथा श्रीमान क्षेत्राधिकारी पिपरी सहायक नोडल साइबर क्राइम) श्री हर्ष पाण्डेय के निकट पर्यवेक्षण में जनपदीय साइबर सेल/साइबर क्राइम पुलिस थाना एवं जनपद के समस्त थानों पर गठित साइबर हेल्प डेस्क द्वारा अत्यंत सजगता, तकनीकी दक्षता एवं अथक प्रयासों के साथ कार्यवाही की गई। पुलिस की निरंतर, सुनियोजित एवं समयबद्ध कार्यवाही के परिणामस्वरूप माह फरवरी 01.02.2026 से अबतक साइबर ठगी से प्रभावित 86 पीड़ितों की कुल ध35,86,160/– की धनराशि तथा विगत माह जनवरी वर्ष 2026 में दिनांक 01.01.2026 से 31.01.2026 तक साइबर ठगी के कुल 48 पीड़ितों की कुल ध23,12,636/– की धनराशि पीड़ितों के मूल बैंक खातों में सकुशल वापस कराया गया है। यह सफलता जनपदीय साइबर सेल द्वारा छब्त्च पोर्टल पर सतत निगरानी, साइबर हेल्पलाइन 1930 पर प्राप्त शिकायतों पर त्वरित संज्ञान, संदिग्ध खातों को तत्काल होल्ड कराना, डिजिटल एवं तकनीकी साक्ष्यों का गहन विश्लेषण तथा विभिन्न बैंकों से निरंतर समन्वय स्थापित कर प्राप्त की गई है। जनपद सोनभद्र पुलिस साइबर अपराधों के प्रति शून्य सहनशीलता की नीति के तहत न केवल अपराधियों के विरुद्ध कठोर विधिक कार्यवाही कर रही है, बल्कि साइबर ठगी से पीड़ित आमजन की धनराशि सुरक्षित वापस दिलाने हेतु पूरी प्रतिबद्धता एवं संवेदनशीलता के साथ कार्य कर रही है। जनपद पुलिस आम नागरिकों से अपील करती है कि किसी भी प्रकार की साइबर ठगी की स्थिति में तत्काल साइबर हेल्पलाइन नंबर 1930 पर कॉल करें अथवा बलइमतबतपउम.हवअ.पद पर शिकायत दर्ज कराएं, जिससे समय रहते प्रभावी कार्यवाही सुनिश्चित की जा सके।

माह मार्च में गेहूं एवं चावल के वितरण स्केल में किया गया परिवर्तन

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। जिला पूर्ति अधिकारी ने अवगत कराया है कि माह मार्च 2026 हेतु राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम–2013 के अन्तर्गत गेहूं एवं चावल के वितरण स्केल में परिवर्तन किया गया है। ध्रुव गुप्ता) अपर आयुक्त के उपर्युक्त निर्देश के अनुपालन में जनपद के अन्त्योदय एवं पात्र गृहस्थी कार्डधारकों को संसूचित किया जाता है कि राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम–2013 योजनान्तर्गत माह मार्च 2026 के वितरण स्केल में परिवर्तन किया गया है। उन्होंने बताया कि अन्त्योदय कार्ड धारकों को खाद्यान्न की देय मात्रा प्रति कार्ड वर्तमान में गेहूं की मात्रा 14 किग्रा0 परिवर्तित मात्रा 10 किग्रा, चावल का मात्रा 21 किग्रा0 तथा परिवर्तित मात्रा 25 किग्रा0 है। इसी प्रकार से पात्र गृहस्थी कार्ड धारकों को खाद्यान्न की देय मात्रा प्रति यूनिट गेंहूँ वर्तमान में 02 किग्रा0 परिवर्तित 01 किग्रा0 तथा चावल का मात्रा वर्तमान में 3 किग्रा0 तथा परिवर्तित मात्रा 04 किग्रा0 निर्धारित किया गया है। उन्होंने बताया कि .ष्टिगत जनपद में राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम 2013 के अन्तर्गत पात्रता सूची में सम्मिलित समस्त अन्त्योदय एवं पात्र गृहस्थी योजना के कार्ड धारको को सूचित किया जाता है कि माह फरवरी 2026 हेतु अन्त्योदय योजना के कार्डधारक प्रति कार्ड 25 किग्रा0 चावल एवं 10 किग्रा0 गेहूँ तथा पात्र गृहस्थी योजना के कार्डधारक प्रति यूनिट 04 किग्रा0 चावल एवं 01 किग्रा0 गेहूँ संबंधित उचित दर की दुकान से निःशुल्क प्राप्त करना सुनिश्चित करें। उक्त निःशुल्क वितरण में हो रही किसी भी प्रकार की शिकायत के सम्बन्ध में जिला पूर्ति कार्यालय अथवा संबंधित उपजिलाधिकारी कार्यालय या विभागीय टोल फ्री नम्बर 1800–1800–150 पर की जा सकती है। जनपद के समस्त उचित दर विक्रेताओं को निर्देशित किया जाता है कि वह माह फरवरी 2026 के लिए आवंटित खाद्यान्न का निःशुल्क वितरण करना सुनिश्चित करें। वितरण में प्राप्त किसी भी प्रकार की शिकायत को गम्भीरता से लेते हुए संबंधित के विरूद्ध कठोर कार्यवाही की जायेगी।

राष्ट्रीय लोक दल की मासिक बैठक सम्पन्न

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। राष्ट्रीय लोकदल जनपद की मासिक बैठक जिला कार्यालय पर बुधवार

को आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता जिलाध्यक्ष श्रीकांत त्रिपाठी द्वारा की गई। बैठक में संगठन को मजबूत करने, सदस्यता अभियान को तेज करने तथा जनपद की विभिन्न जनसमस्याओं पर विस्तार से चर्चा की गई। साथ ही किसानों, मजदूरों एवं आम जनता की समस्याओं को प्रमुखता से उठाने पर भी जोर दिया गया।जिले में धान खरीद को लेकर दर्जनों किसानों की समस्याओं को लिखित रूप से लिया गया इस अवसर पर पार्टी के अनेक पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।बैठक का संचालन जिला उपाध्यक्ष चंद्रशेखर विश्वकर्मा ने किया । प्रदेश सचिव रामसेवक पटेल संगठन महासचिव पवन कुमार शुक्ला जिलामहासचिव रोहित सिंह कोषाध्यक्ष चंद्रभान सिंह पटेल , कलावती देवी आकाश मौर्य वीरेंद्र प्रताप गंगेश्वर जिला उपाध्यक्ष बलवंत यादव ओमप्रकाश भारती अनुसूचित मोर्चा राजेश चौधरी गोरख पासवान सबीना , रेखा जावेद अली शंकर रविंदर गुलाब सूरज राजकुमार जयप्रकाश मौर्य अरुण कुमार चौहान अजय कुमार ओझा वीरेंद्र प्रताप यादवसंतोष चौहान रिंकू चौहान हिमालय चौहान डाक्टर जय प्रकाश आदि लोग उपस्थित रहे जानकारी जिलामिडिया प्रभारी विकास पाण्डेय ने दिया।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक :- श्रीमती पुष्पा शर्मा द्वारा बुद्धा प्रिन्टर्स, ज्योति नगर मधुकरपुर, निकट-हीरो होण्डा एजेन्सी, जनपद-सिद्धार्थनगर (उ0प्र0) 272207 से मुद्रित एवं मकान नं. 203 निकट बी.एस.एन.एल. टावर खलवा मोहल्ला, नगर पालिका परिषद बलरामपुर, जनपद- बलरामपुर, उ0प्र0-271201 से प्रकाशित । आर.एन.आई. नं0- UPHIN/2021/86502 । सम्पादक- राजेश कुमार शर्मा

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी.एक्ट. के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन समस्त विवाद जनपद-सिद्धार्थनगर न्यायालय के अधीन ही मान्य होगा।

रिलीज से पहले धुरंधर 2 का भौकाल, हाथों–हाथ बिके 31सौ के भी टिकट, एडवांस बुकिंग में ही कर डाली सॉलिड कमाई

रणवीर सिंह की धुरंधर 2 के लिए लोगों की एक्साइटमेंट पीक पर है. इसका अंदाजा आप इसी से लगा सकते है कि इसके 18 मार्च को होने वाले पेड प्रीव्यू शो के लिए ही धुआंधार एडवांस बुकिंग हो रही है. यहां तक कि महंगे टिकट भी हाथों हाथ बिक रहे हैं. चलिए यहां जान लेते है कि धुरंधर 2 ने फिलहाल पेड प्रीव्यू शो के लिए हो रही एडवांस बुकिंग में कितना कलेक्शन कर डाला है? धुरंधर 2 के पिछले हफ्ते रिलीज हुए ट्रेलर के बाद से इसके पेड प्रीव्यू शोज की एडवांस बुकिंग शुरू हो गई थी. दिलचस्प बात ये है कि इसे प्री टिकट सेल में उम्मीद से कई गुना ज्यादा शानदार रिस्पॉन्स मिल रहा है. धुरंधररू द रिवेंज एक पैन–इंडिया फिल्म है, जो हिंदी, तेलुगु, तमिल, कन्नड़ और मलयालम में रिलीज हो रही है. बता दे कि फिल्म ने अब तक पूरे भारत में 8,337 शो के लिए 3.48 लाख टिकट बेचे हैं. सैकनिल्क की रिपोर्ट के मुताबिक, इसी के साथ ये फिल्म अब तक अपनी प्रीमियर एडवांस बुकिंग से 18.64 करोड़ कमा चुकी है. फिल्म ट्रैकर के मुताबिक, हिंदी (2डी) वर्जन में धुरंधर 2 7,951 शो में 3.23 लाख टिकट बेचकर सबसे ज्यादा 18.16 करोड़ की कमाई की है. वहीं हिंदी डॉल्बी सिनेमा फॉर्मेट ने 203 टिकट से 1.57 लाख और कमा लिए हैं. डब वर्जन की बात करें तो इसने तमिल (2डी) में 15,385 टिकटों से 23.58 लाख कमाए हैं.इसके बाद तेलुगु (2डी) ने 7,827 टिकटों से 18.54 लाख, कन्नड़ (2डी) वर्जन ने 479 टिकटों से 2.04 लाख और मलयालम (2डी) वर्जन ने एडवांस सेल से 934 टिकटों से 2.25 लाख कमाए हैं. ध्रुंधर 2 के पेड प्रीव्यू के शानदार रिस्पॉन्स को देखते हुए आईएनओएक्स, सिनेपोलिस और पीवीआर जैसी बड़ी सिनेमा चेन ने धुरंधर 2 के पेड प्रीव्यू के जरिए नई प्रीमियम कैटेगरी शुरू की हैं. पूरे भारत में इन शो सबसे ज्यादा महंगे टिकट मुंबई के बोरीवली में स्काई सिटी मॉल के आईनॉक्स मेगाप्लेक्स में बिके हैं. यहां रिक्लाइनर प्राइम कैटेगरी में 3,100 रुपये की कैटेगरी भी सोल्ड आउट हो चुकी है. बता दें कि आदित्य और लोकेश धर के बी62 स्टूडियोज और ज्योति देशपांडे के जियो स्टूडियोज ने मिलकर धुरंधर 2 बनाई है. इसमें रणवीर, संजय दत्त, आर माधवन, अर्जुन रामपाल, राकेश बेदी और सारा अर्जुन पहले पार्ट के अपने किरदारों को दोहराते हुए नजर आएंगे. इसका पहला पार्ट धुरंधर घरेलू बॉक्स ऑफिस पर अब तक की सबसे ज़्यादा कमाई करने वाली भारतीय फिल्म बन गई, जिसने 890 करोड़ रुपये से ज़्यादा कमाए, और दुनिया भर में चौथी सबसे ज़्यादा कमाई करने वाली भारतीय फिल्म बन गई, जिसने 1300 करोड़ रुपये से ज़्यादा कमाए थे.

द 50 से बाहर होने के बाद निक्की तंबोली ने की क्रिप्टिक पोस्ट, बोलीं–फेक कमेंट्स खरीदने से अच्छा है, अपनी रिस्पेक्ट खरीद लो

निक्की तंबोली कुछ दिन पहले ही रियलिटी द 50य से बाहर

हुईं। हाल ही में उनके बॉयफ्रेंड अरबाज पटेल भी शो से बाहर हो गए। अब शो में कुछ इंफ्लुएंसर, टीवी आर्टिस्ट बाकी रह गए हैं। अपनी हालिया पोस्ट में बिना किसी का नाम लिए निक्की तंबोली ने द 50य के कुछ प्रतियोगियों पर निशाना साधा है। जानिए, अपनी पोस्ट में निकी तंबोली ने क्या कहा? और कौन से प्रतियोगी पर वह निशाना साधा रही हैं।

निकी तंबोली ने इंस्टाग्राम पर एक स्टोरी पोस्ट की है। इसमें वह लिखती हैं, मेरी पोस्ट पर फेक कमेंट्स करवाने से ज्यादा मेहनत अगर अपनी लाइफ पर करते तो शायद कोलेबोरेशंस से जिंदगी नहीं चलती। मेरी पोस्ट पर फेक कमेंट्स खरीदने से अच्छा है, अपनी रिस्पेक्ट खरीद लो। शायद ज्यादा काम आ जाए।य वह आगे लिखती हैं, गुस्सा जायज है। घाव गहरे थे।य

निक्की तंबोली ने अपनी पोस्ट में किसी का नाम नहीं लिया लेकिन सोशल मीडिया यूजर्स का मानना है कि वह टीवी एक्टर प्रिंस नरुला और टीवी पर्सनालिटी शिव ठाकरे पर निशाना साध रही हैं। यह दोनों इस वक्त द 50य शो का हिस्सा हैं। जब निक्की और उनका बॉयफ्रेंड शो में थे तो शिव ठाकरे और प्रिंस नरुला से कई बार झगड़ा हुआ।

द 50य शो में विनर बनने की दौड़ में शिव ठाकरे आगे दिख रहे हैं। इनके अलावा प्रिसं नरुला का नाम भी विनर के तौर पर सामने आ रहा है। दर्शक इन दोनों को काफी पसंद कर रहे हैं। द 50य शो की बात करें तो इसमें लगभग 50 प्रतियोगी शामिल हुए थे। जिसमें कुछ एक्टर, इंफ्लुएंसर, स्पोर्ट्स पर्सन थे। अब तक कई लोग शो से बाहर हो चुके हैं। यह रियलिटी शो जीयो हॉटस्टार पर और कलर्स चौनल पर टेलीकास्ट होता है।

कमर दर्द से राहत और बेहतर पाचन के लिए रोज करें उत्थित पार्श्वकोणासन

रोजाना योगाभ्यास स्वस्थ जीवनशैली अपनाने में महत्पवूर्ण भूमिका अदा करता है। कई लोग आम योगासन को बारे में तो जानते हैं, लेकिन उत्थित पार्श्वकोणासन के बारे में कम ही जानते हैं। इस आसन के नियमित अभ्यास से शरीर को कई तरह के शारीरिक लाभ मिल सकते हैं। उत्थित पार्श्वकोणासन एक संस्कृत शब्द है, जिसका अर्थ विस्तारित पार्श्व कोण मुद्रा है। यह खड़े होकर किया जाने वाला योगासन है, जो तत्वों को मिलाकर शरीर के साइड भाग को खोलता है। इसके नियमित अभ्यास से शरीर के दोनों तरफ में गहरा खिंचाव आता है, जिससे कमर दर्द में राहत मिलती है और रीढ़ की हड्डी लचीली बनती है। योग विशेषज्ञों का मानना है कि रोजाना 30–60 सेकंड तक इसके अभ्यास से जीवनशैली बेहतर हो सकती है। हालांकि, इसके साथ संतुलित आहार भी लेना चाहिए। इसको करना बेहद आसान है। इसके लिए सबसे पहले योगा मैट पर दोनों पैरों को एक दूसरे से दूर फैला लें। अब दाहिने पैर के पंजे को बाहर की तरफ घुटने से धीरे–धीरे मोड़ें और उसी मुद्रा में नीचे की ओर बैठें। फिर अपने दाएं हाथ को दाएं पैर के पास जमीन पर रखें और बाएं हाथ को ऊपर की ओर सीधा 90 डिग्री के एंगल में रखने की कोशिश करें। कुछ देर इसी मुद्रा में रहने की कोशिश करें, फिर धीरे–धीरे सामान्य हो जाएं। हालांकि, शुरुआती अभ्यासकर्ताओं को इसको करने में थोड़ी दिक्कत हो सकती है, लेकिन धीरे–धीरे आदत हो जाएगी और शरीर खुलने लगेगा। आयुष मंत्रालय ने इसको करने के फायदे पर अहम प्रकाश डाला है। उनके अनुसार, यह एक खड़ी मुद्रा वाला योगासन है, जो पेट के अंगों की मालिश करता है, पाचन में सुधार लाता है, और पैरों व रीढ़ को मजबूत करता है। इसके अलावा, शरीर में लचीलापन भी बढ़ता है और रीढ़ की हड्डी पर सकारात्मक प्रभाव पड़ता है। वहीं, इससे दिमाग को शांति भी मिलती है और मानसिक तनाव से भी दूरी बनी रहती है। इसके नियमित अभ्यास से शरीर को कई तरह के लाभ मिल सकते हैं, लेकिन शुरुआत में इसको किसी योग विशेषज्ञ की निगरानी में ही करें, और अगर आपको कोई गंभीर चोट, माइग्रेन, या हाल ही में कोई सर्जरी हुई है, तो करने से पहले डॉक्टर या योग विशेषज्ञ से सलाह लें।

साहित्य विचार

अति सर्वत्र वर्जयते

आकाश ने त्याग दिए नीले वस्त्र
उसकी देह पर अनगिनत पीड़ा की रेखाएं हैं
धरती हे स्थिर और उसका
स्थिर होना ब्रज सा भारी है
नन्हीं कलियों की अध खिली अटखेलिया
न केवल समय के निर्मम हाथों में थीं
उनकी हँसी की मधुर झंकार
अब करुणा का टूटा हुआ छंद है
बसंत आया तो था
परन्तु हर ऋतू यह पूछ रही है कि
कि मेरी मासूमियत का मूल्य क्या इतना अल्प था
कि स्वर्णिम भवनों के भीतर
रेशमी पर्दों के पीछे
रतन जड़ित सिंहासन पर
सफेद वस्त्र में
रावण फिर से पाप के शिखर पर बैठ,
दीप अधर्म के जलाए, राम।
और
उत्सव मनाए
हमारे देश तो में कन्याएं पूजी जाती हैं
क्या इतिहास लिखे गा लज्जा पत्र
क्या यही है मानवता का मंत्र।
कहा गया है..... पाप बढे तो
ईश्वर रूप बदल कर आते हैं
धरती पर अवतरित हो जाते है
क्यों मौन खडे हैं देव सभी
जब नन्हीं कलियों को मसल दिया नोचा और भोगा।
भोग विलास में लिप्त विभत्स।
चितवन में भर दी भय की ज्वाला
हवस के इन पुजारियों ने श्वेत वस्त्र करके धारण
शर्मशार किया है मानवता को
न्याय की देवी ने भी पट्टी बांध रखी है
सत्य के सूरज को ग्रहण है
यह सत्य है कि
सच सूली पर अनगिनत बार चढ़ा है
परन्तु.....
सदा कंश का वर्चस्व स्थापित नहीं रहता ।
आजीवन वरदान वाले भी धर्म की भेंट चढ़ जाते हैं।
दुर्योधन का अहंकार में धूल में मिल जाता है
सोने की लंका अग्नि की भेंट चढ़ जाती है।
क्यों कि अति सर्वत्र वर्जयते
यदि हम अब भी न जागे तो
आने वाले युग प्रश्न करेंगे
राम को अंतर्मन से बाहर लाना होगा
लंका को आग लगाना होगा
समय आगया हैं कि
एक बार पुनः समन्दर मंथन कर लें।।।।

बुद्ध का संदेश
खाई में गिरी सेना की गाड़ी, 5 जवानों की मौत
कांग्रेस ने अंबेडकर का किया अपमान
अंबेडकर विवाद: कांग्रेस की मांग, अमित शाह को किया जाना चाहिए बर्खास्त

डॉ.मुमताज शरीन, गोरखपुर यूपी

13.03.2026

साहित्य विचार

बोलो ब्याह कर तुम क्यूँ लाएं?

न कोई जिम्मेदारी लेते और ऊपर से खूब ताप भी देते
कितना सहन करे कबतक?क्या अब ड्योढ़ी लांघ जाए
बोलो ब्याह कर तुम क्यूँ लाएं?
बापू ने गलती कर दी यदि शादी की जल्दीबाजी में
जीवन भर मैं दासी बन ,लगी रहूँ हाँ- जी हाँ-जी में
अग्नि देव को साक्षी मानकर दिये थे तुमने वचन सात
कभी मन का न मेल हो सका वचन कोई न निभ पाये
बोलो ब्याह कर तुम क्यूँ लाये?
जीवन का एक अरसा बीता घर की चार दिवारी में
बर्तन ,चूल्हें -चौके, झाड़ू और रोटी- दाल तरकारी में
जी करता है मैं भी कर लूँ, जैसे तुम कर लेते मन की
पर बिटिया के बारे में सोच मन अधिक व्यथित हो जाये
बोलो ब्याह कर तुम क्यूँ लाये ?
बन मशीन है जीना पड़ता और आँसू जी-जी पीना पड़ता
सबके दु:ख में खड़ी रहूँ नित अपने ज़ख्म को सीना पड़ता
कभी न मन के मर्म को समझे कभी न दिखी थकन तन की
देह हवस की एक वस्तु बन तुम्हारी कब तक प्यास बुझाएं
बोलो ब्याह कर तुम क्यूँ लाये?

अभिमन्यु तिवारी ''अनन्य''

13.03.2026

साहित्य विचार

सिलेंडर लिए हुए

बारूद ,आग ,खून का लश्कर लिए हुए
जारी है जंग मौत का मंज़र लिए हुए
अब महंगा होगा तेल ये अफ़वाह क्या उड़ी
छेदी निकल पड़े हैं कनस्तर लिए हुए
किच- किच किचन में कर रहीं बेगम भी आजकल
आंधी चली हो जैसे बवंडर लिए हुए
इस बार गैस बीस दिन मुश्किल से चल सकी
ग़मगीन हैं मियां जी कैलेंडर लिए हुए
फ़िल्लत है घर में गैस की ,रोज़े हैं आजकल!
भूखे भटक रहे हैं सिलेंडर लिए हुए
कल न मिली थी आज भी शायद ही मिल सके
लाइन में फिर लगेंगे यही डर लिए हुए
कुछ ऐसे जमाख़ोर भी हैं जिनके वास्ते
आती हैं आपदाएं भी अवसर लिए हुए
इक दूसरे के ज़ख़्म पर मरहम लगाएं हम!
कब तक फिरेंगे हाथ में नश्तर लिए हुए

नियाज़ कपिलवस्तुवी